राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण शनिवार,२०मार्च २०२१ वर्ष-४, अंक -५६ पृष्ठ-०८ मूल्य-०१रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

100 से अधिक कर्मचारी होने पर बनानी होगी कैंटीन, 1 अप्रैल से मोदी सरकार लागू करेगी नियम

नई दिल्ली। केंद्र सरकार नए श्रम कानूनों के तहत देश में कंपनियों में कर्मचारियों के लिए कैंटीन जरूरी करने और सरकारी योजनाओं को मजबूती से लागू करने के लिए वेलफेयर ऑफिसर नियुक्त करने के नियम तय कर दिए गए हैं। सरकार इन नए नियमों को देश भर में एक अप्रैल से लागू करने की तैयारी में हैं। केंद्र सरकार की तरफ से पिछले साल जारी व्यवसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्यदशा संहिता 2020 में इस बारे में खास प्रावधान किए गए हैं जिन्हें सभी हितधारकों के साथ चर्चा के बाद लागू किया जा सकता है। नए श्रम कानूनों में होने वाले अहम बदलावों के तहत 100 कर्मचारियों से ज्यादा वाली कंपनियों को अपने प्रतिष्ठान में कैंटीन रखना जरूरी होगा। कर्मचारियों की इस संख्या में कॉन्ट्रैक्ट पर काम करने वाले लोग भी शामिल किए जाएंगे। वही कंपनियों को वेलफेयर ऑफिसर भी नियुक्त करने होंगे ताकि कामगारों को सरकारी योजनाओं का पूरा फायदा मिलता रहे। इसके अलावा सरकार ने प्रवासी मजदूरों के हितों को ध्यान पर रखते हुए ये भी नियम लागू किए जाएंगे कि अगर कंपनी उन्हें साइट पर ले जा रही है और काम खत्म होने पर वो घर लौट रहे हैं तो उन्हें यात्रा भत्ता देना भी जरूरी होगा।

ओवरटाइम के नियमों में भी बदलाव-इसके अलावा ओवरटाइम के नियमों में भी बदलाव किया गया है। नए नियमों के हिसाब से कामकाजी घंटों के बाद अगर कामगार से 15 मिनट भी ज्यादा काम कराया गया तो उसे ओवरटाइम माना जाएगा। पहले यह दायरा आधा घंटा हुआ करता था। कर्मचारी कॉन्ट्रैक्ट पर हो या फिर स्थाई उस पर लगातार लगातार पांच घंटे से ज्यादा काम का दबाव नहीं बनाए जाने के भी प्रावधान तय किए गए हैं। कंपनी के लिए उसे हर पांच घंटे में आधे घंटे का ब्रेक देना जरूरी किया जाएगा। साथ ही ब्रेक का यह समय भी कामकाजी घंटों में ही जोड़ा जाएगा।

मॉल में प्रवेश के पहले करवाना होगा कोरोना टेस्ट

बढ़ते मामलों के बाद BMC का बड़ा फैसला

मुंबई। मुंबई और महाराष्ट्र में कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए महाराष्ट्र सरकार के साथ-साथ स्थानीय प्रशासन भी मुस्तैदी के साथ कोरोना के खिलाफ जंग में जुटा हुआ है। बीते 24 घंटों में मुंबई शहर के अंदर 2877 मामले सामने आए हैं। जबकि 8 लोगों की मौत हुई है। शहर में अब तक 11 हज़ार 559 मौतें हो चुकी हैं। इसी बात के मद्देनजर बीएमसी ने कुछ नई गाइडलाइन जारी की हैं। जिनके मुताबिक अब मुंबईकरों को मॉल में जाने के पहले करवाना होगा कोरोना टेस्ट।

मॉल में एंट्री के पहले कोरोना टेस्ट-मुंबई में बढ़ते कॉविड केसेस को देखते हुए देश की सबसे अमीर महानगरपालिका यानी बीएमसी ने अब मुंबईकरों के लिए नया आदेश जारी किया है। इसके मुताबिक शहर के किसी भी मॉल में प्रवेश करने के पहले तमाम नागरिकों को कोरोना टेस्ट अनिवार्य रूप से करवाना होगा। इसके लिए बीएमसी के कर्मचारी मॉल के बाहर स्वाब लेने के लिए मौजूद रहेंगे।

नो टेस्ट, नो एंट्री-बीएमसी ने यह भी स्पष्ट किया है कि जो भी व्यक्ति कोरोना का टेस्ट नहीं करवाया जाए उसे मॉल में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। सभी को रैपिड एंटीजन टेस्ट करवाना होगा।

बीएमसी ने बढ़ाई कांटेक्ट ट्रेसिंग-मुंबई में कोरोना मरीजों की बढ़ती संख्या को गंभीरता से लेते हुए बीएमसी ने अब कांटेक्ट ट्रेसिंग का दायरा बढ़ा दिया है। अब तक बीएमसी कोरोना संक्रमित के परिवार वालों और पड़ोसियों को ट्रेस करती थी। अब इसका दायरा बढ़ाते हुए रिश्तेदारों, दोस्तों और सहयोगी कर्मचारियों को ट्रेस कर उन्हें क्वारंटाइन किया जाएगा

महाराष्ट्र में रिकॉर्ड केसेस-महाराष्ट्र में कोरोना मामलों ने बीते 6 महीनों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। बीते 24 घंटों में अब तक राज्य में सबसे ज्यादा कोरोना के मामले दर्ज किए गए हैं। महाराष्ट्र में एक दिन के अंदर 25हज़ार 833 नए कोरोना के मामले सामने आए हैं जबकि 58 लोगों की मौत हुई है। राज्य में अब तक कोरोना की कुल मरीजों की संख्या 23 लाख 96 हज़ार 340 तक पहुंच चुकी है। वहीं कुल मौतों का आंकड़ा 53 हज़ार 138 तक पहुंच चुका है।

पिछले साल का टूटा रिकॉर्ड

कोरोना के बढ़ते मामलों ने सरकार की चिंता बढ़ा दी है। मुंबई शहर में जहां 2877 नए मामले सामने आए हैं। इस आंकड़े ने साल 2020 के अक्टूबर महीने में आए 2848 कोरोना मामलों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। वहीं अगर राज्य के मामलों की बात करें तो गत वर्ष सितंबर महीने में सबसे ज्यादा 24 हज़ार 896 मामले आये थे। जबकि महाराष्ट्र में बीते एक दिन के भीतर 25 हज़ार 833 नए मामले सामने आए हैं।

सरकार के 4 साल होने पर योगी बोले- यूपी बना सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सरकार के चार साल पूरे होने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को यूपी सरकार की उपलब्धियां गिनाईं। योगी ने कहा कि 4 साल में कोई दंगा नहीं हुआ। पहले सरकार की सत्ता संभाली थी तब कानून व्यवस्था भ्रष्टाचार समेत तमाम मुद्दे प्रबल थे। अर्थव्यवस्था के मुद्दे महत्वपूर्ण रूप से शामिल सभी मामलों में पहले 3 पायदान पर कहीं नहीं टिकते थे। यह वही उत्तर प्रदेश है जो 4 साल पहले देश के किसान योजना में भी पायदान पर नहीं था। तत्कालीन सरकारों ने रुचि नहीं प्रदेश में 2017 से जो कार्य प्रारंभ किया। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री सौभाग्य योजना प्रधानमंत्री योजना, किसान सम्मान योजना ऐसी सभी योजनाओं में बेहतर प्रदर्शन किया है। योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश अब बीमारू राज्य की श्रेणी से हटकर सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर उभरा है। योगी ने कहा कि आज ईज़ ऑफ डूइंग की लिस्ट में भी यूपी नंबर दो है, हमने काफी लंबी छलांग लगाई है। योगी ने कहा कि आवास योजना, शौचालय योजनाओं में प्रदेश में देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। किसानों के हितों के लिए भी उत्तर प्रदेश सरकार ने काम किया। किसान राजनीति का हिस्सा 2014 के बाद बना। पहले किसानों का कोई ध्यान नहीं देता था। योगी ने कहा गन्ना किसानों के लिए भी सरकार ने बड़े स्तर पर काम किया। पहले इसी प्रदेश में कोई पर्व शांति पूर्वक नहीं होता था , 4 साल में किसी भी पर्व में कोई अशांति नहीं फैला पाया। पहले प्रदेश में कोई आना नहीं चाहता था , लेकिन अब प्रदेश सबकी पहली पसंद है पुलिस को भी प्रदेश में बड़े स्तर पर रिफार्म किया गया है। योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के

● योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश अब बीमारू राज्य की श्रेणी से हटकर सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर उभरा है। योगी ने कहा कि आज ईज़ ऑफ डूइंग की लिस्ट में भी यूपी नंबर दो है, हमने काफी लंबी छलांग लगाई है।

अपराधी दूसरे प्रदेशों में छुपकर की जान बचा रहे। उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य पर्यटन पुलिस रिफॉर्म क्षेत्रों में हमने बेहतर कार्य किया। हमने कमिश्नर प्रणाली लागू किया। सभी थानों में महिला हेल्पडेस्क स्थापित किया।

सावधान! बिहार में अब इन क्षेत्रों में स्थाई या अस्थाई अतिक्रमण किया तो भरना होगा भारी जुर्माना

पटना। बिहार में अतिक्रमण कर घर-बाजार या दुकान सजाने वालों के लिए बुरी खबर है। शहरी क्षेत्र में अतिक्रमण करने वालों को अब भारी जुर्माना देना होगा। नगरपालिका संशोधन विधेयक के बाद अब स्थाई तौर पर अतिक्रमण करने वालों को 20 हजार तो अस्थाई अतिक्रमण करने वालों को पांच हजार का जुर्माना देना होगा। अभी जुर्माने की राशि मात्र एक हजार थी। राज्य के सभी शहरी इलाके में अतिक्रमण पर प्रभावी रोकथाम लगाने के लिए गुरुवार को उपमुख्यमंत्री सह नगर विकास मंत्री तारकिशोर प्रसाद ने विधानसभा में बिहार नगरपालिका संशोधन विधेयक पेश किया। विधेयक बहुमत के आधार पर सदन में पारित हो गया। विधेयक पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि नगर निकाय क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने के लिए जिला प्रशासन पर निर्भर रहना पड़ता है। इससे निकाय क्षेत्रों में अतिक्रमण हटाने में काफी कठिनाई हो रही है। अतिक्रमण होने पर अभी जुर्माने की राशि मात्र एक हजार है। इसका लाभ भी अतिक्रमणकारी उठा रहे हैं। ऐसा महसूस किया जा रहा है कि अतिक्रमण में स्थाई व अस्थाई को चिह्नित कर कार्रवाई की जाए। अतिक्रमण के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने के लिए स्थाई व अस्थाई अतिक्रमण अलग-अलग माना जाएगा। अगर अतिक्रमण स्थाई साबित होता है तो 20 हजार का जुर्माना लगेगा। जबकि अस्थाई अतिक्रमण होने पर 5 हजार का जुर्माना लगेगा।

बैठक में अधिकारियों की मौजूदगी अनिवार्य-नगर निकाय व इसकी समिति की बैठक में पदाधिकारियों को भाग लेने हेतु अनिवार्य प्रावधान नहीं है। इससे समिति की बैठक में मुख्य पार्षद व समिति बिना पदाधिकारी के ही कार्य संचालन करते हैं। यह स्थिति नगर निकायों के हित में प्रतीत नहीं होता है। इसे संशोधित करते हुए अब अधिकारियों की मौजूदगी अनिवार्य कर दी गई है।

होगा लाभ

संशोधन विधेयक से नगर निकायों में सृजित पदों पर नियुक्ति की कार्रवाई सुगम हो सकेगी। नगर आयुक्त या कार्यपालक पदाधिकारी द्वारा जनहित में कर्तव्यों के निर्वहन करने व निकायों की बैठक में उनकी उपस्थिति सुनिश्चित होगी। निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को संबंधित निकायों में स्वयं के आर्थिक हित पर नियंत्रण होगा।

दिल्ली के सरकारी केंद्रों में वैक्सीन देने का समय अब सुबह 9 बजे से रात 9 बजे तक

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में एक बार फिर तेजी से बढ़ते कोरोना के मामलों के बीच दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि वैक्सीनेशन को अब युद्ध स्तर पर बढ़ाया जाएगा। केजरीवाल ने कहा कि अभी दिल्ली में हर रोज 30-40 हजार लोगों को कोरोना की वैक्सीन लग रही है। अब हम इसे बढ़ाकर सवा लाख तक ले जा रहे हैं। हम वैक्सीनेशन सेंटर की संख्या 500 से बढ़ाकर 1,000 करेंगे। सरकारी सेंटरों में वैक्सीन देने का समय सुबह 9 से शाम 5 बजे तक है। अब इसे बढ़ाकर सुबह 9 बजे से रात 9 बजे तक कर दिया जाएगा। मेरा केंद्र से निवेदन है कि देश में वैक्सीन का उत्पादन बढ़ गया है, इसलिए मैं केंद्र से अनुरोध करता हूं कि अब टीके सबके लिए खोले जाएं। यह लिस्ट बनाने के बजाय कि कौन पात्र हैं, हमें उन लोगों की एक लिस्ट बनानी चाहिए जो अयोग्य हैं। हर किसी के लिए टीकाकरण की अनुमति होनी चाहिए। अगर केंद्र सरकार सभी के लिए टीकाकरण

● हम वैक्सीनेशन सेंटर की संख्या 500 से बढ़ाकर 1,000 करेंगे। सरकारी सेंटरों में वैक्सीन देने का समय सुबह 9 से शाम 5 बजे तक है। अब इसे बढ़ाकर सुबह 9 बजे से रात 9 बजे तक कर दिया जाएगा।

की अनुमति देती है और हमें पर्याप्त मात्रा में वैक्सीन मिलती है तो हम 3 महीने के भीतर दिल्ली में सभी को टीका लगा सकते हैं। इसके लिए हमने आज एक योजना बनाई है।

केजरीवाल ने आगे कहा कि सिस्टम को विकेंद्रीकृत किया जाना चाहिए और राज्यों को अपने तरीके से युद्धस्तर पर टीकाकरण करने की अनुमति दी जानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि ट्रैकिंग, ट्रेसिंग और होम आइसोलेशन को सख्ती से लागू करने के आदेश दिए गए हैं। मास्क और सोशल डिस्टनसिंग का सख्ती से पालन करना होगा। उन्होंने कहा कि मैं केंद्र से अपील करता हूं कि टीकाकरण केंद्रों के लिए उनके वर्तमान दिशा-निर्देश बहुत कड़े हैं। अब हमें टीकाकरण में 2 महीने का अनुभव है, इसलिए कुछ नियमों में ढील देने के लिए हम केंद्र को लिख रहे हैं ताकि अधिक केंद्रों पर टीकाकरण किया जा सके। हम सभी सावधानी बरतेंगे। जानकारी के अनुसार, देश और दिल्ली में कोरोना का कहर एक बार फिर बढ़ने लगा है और दिन-प्रतिदिन संक्रमितों के बढ़ने का सिलसिला लगातार जारी है। दिल्ली में 70 दिन बाद बुधवार को एक बार फिर कोरोना के 500 से अधिक नए मरीज मिलने के बाद यहां संक्रमितों का कुल आंकड़ा 6.45 लाख के पार पहुंच गया था। इसके साथ ही पॉजिटिविटी दर भी बढ़कर 0.66 फीसदी पर आ गई।

दुर्घटना को रोकने के लिए देशभर के रेलवे पुलों और ओवरब्रिजों की सेहत जांचेगी थर्ड पार्टी

नई दिल्ली। रेलवे पुल टूटने से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए भारतीय रेलवे पुख्ता एहतियाती उपाय कर रहा है। इसके लिए रेलवे ने अपनी रुटीन जांच के साथ सुरक्षा और संरक्षा के मद्देनजर पुलों और ओवरब्रिजों की सेहत की थर्ड पार्टी से भी जांच कराने का फैसला किया है। इससे इन पुलों की समय पर मरम्मत कराई जा सकेगी और दुर्घटना से बचा सकेगा। रेलवे के पास फिलहाल देशभर में कुल डेढ़ लाख से अधिक पुल हैं। इनमें लगभग साढ़े तीन हजार ऐसे ओवरब्रिज हैं, जो रेलवे ट्रैक से होकर गुजरने वाली सड़कों पर बनाए गए हैं। जबकि 3,700 से अधिक ऐसे ओवरब्रिज हैं जो पैदल सवारियों और यात्रियों की सहूलियत के लिए बनाए गए हैं।

स्वतंत्र विशेषज्ञों से ऑडिट कराने का फैसला-भारतीय रेलवे के पास इन पुलों और ओवरब्रिजों के रखरखाव और निगरानी के लिए एक व्यवस्थित प्रणाली है जो वास्तविक स्थितियों का पता लगाती रहती है। इन पुलों का निरीक्षण साल में दो बार किया जाता है। इनमें पहला मानसून शुरू होने से पहले और दूसरा मानसून सीजन समाप्त होने के बाद होता है।

मौजूदा बुनियादी ढांचे को मजबूती प्रदान करने, सही स्थितियों से वाकिफ रहने और किसी भी संदेह से बचने के लिए स्वतंत्र विशेषज्ञों से ऑडिट कराने का फैसला किया गया है। इसमें पुराने पड़ चुके पुलों में अंदरूनी तौर पर जंग लगने से कमजोर होने का अध्ययन भी कराया जाता है।

80 साल से अधिक पुराने सभी पुलों को होगी जांच-थर्ड पार्टी जांच के लिए विशेषज्ञों की टीम को दायित्व सौंपा जाएगा। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग रिसर्च सेंटर समेत अन्य संस्थानों को यह जिम्मेदारी दी जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- महिलाएं क्या पहनें और कैसे रहें, इस पर टिप्पणी से बचें जज

नई दिल्ली। सर्वोच्च अदालत ने यौन उत्पीड़न के एक आरोपी को पीड़िता से राखी बंधवाने की शर्त पर जमानत देने के मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के एक फैसले को निरस्त कर दिया है। कोर्ट ने ऐसे मामलों में दिशानिर्देश जारी करते हुए कहा कि जज महिलाओं के कपड़े और आचरण पर टिप्पणी करने से बचें। महिलाएं क्या पहनें और कैसे रहें, इस पर टिप्पणी करने से बचना चाहिए। जज कभी यह न कहें कि उसने कपड़े ही ऐसे पहने हुए थे, उसे एक आदर्श महिला की तरह से व्यवहार करना चाहिए। यह नहीं कहें कि शराब या सिगरेट पीने के कारण उसने पुरुषों को अपनी ओर आकृष्ट किया, जिससे उसके साथ यौन अपराध हो गया। शीर्ष अदालत ने यौन अपराधों से जुड़े मामलों में महिलाओं के खिलाफ रुढ़िवादी रुख से बचने की सलाह दी है, अदालत ने कहा कि कोर्ट अपनी ओर से पीड़िता व आरोपी के बीच शादी, मेल-मिलाप या समझौता करने की शर्त और सुझाव आदि न दें। कोर्ट ने दिशा निर्देश में कह कि जमानत शर्तों में शिकायतकर्ता को आरोपी द्वारा किसी भी उत्पीड़न से बचाने के लिए प्रयास हो। अदालत ने कहा कि जहां भी जमानत दी जाती है, शिकायतकर्ता को तुरंत सूचित किया जा जाए कि आरोपी को जमानत दे दी गई है। जमानत शर्तों में महिलाओं और समाज में उनके स्थान को लेकर रुढ़िवाद या पितृसत्तात्मक धारणाओं से परे हटकर निर्देश होने चाहिए। कोर्ट ने बार कौंसिल ऑफ इंडिया को निर्देश दिया कि कानून के पाठ्यक्रम में यौन अपराधों और लैंगिक संवेदनशीलता के अध्ययाय शामिल करे। साथ ही न्यायिक अकादमियों से भी वहां भी जजों को संवेदनशील बनाने के कार्यक्रम चलाए जाएं।

● कोर्ट ने ऐसे मामलों में दिशानिर्देश जारी करते हुए कहा कि जज महिलाओं के कपड़े और आचरण पर टिप्पणी करने से बचें। महिलाएं क्या पहनें और कैसे रहें, इस पर टिप्पणी करने से बचना चाहिए। जज कभी यह न कहें कि उसने कपड़े ही ऐसे पहने हुए थे, उसे एक आदर्श महिला की तरह से व्यवहार करना चाहिए।

महाराष्ट्र में कोरोना के सारे रिकॉर्ड टूटे,

अप्रैल महीने में अकेले यहीं होंगे 3 लाख ऐक्टिव केस!

मुंबई। भारत में कोरोना वायरस के एक बार फिर रफ्तार पकड़ने का सबसे ज्यादा असर महाराष्ट्र पर दिख रहा है। यहां कोरोना ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए और निकट भविष्य में भी इससे राहत मिलती नहीं दिख रही है। अगर राज्य में मौजूदा दर से ही संक्रमण फैलता रहा तो अप्रैल के पहले हफ्ते तक ही अकेले महाराष्ट्र में कोरोना के 3 लाख सक्रिम मरीज होंगे। महाराष्ट्र के स्वास्थ्य सचिव प्रदीव व्यास ने बताया कि गुरुवार को राज्य में कोरोना वायरस के एक दिन में 25 हजार 833 नए मामले आए जिसके बाद सारे रिकॉर्ड टूट गए। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने कहा कि अभी महाराष्ट्र कोरोना की दूसरी लहर का सामना कर रहा है।

महाराष्ट्र में कोरोना वायरस की मौजूदा स्थिति को लेकर जानें यह 10 प्वाइंट

>> फिलहाल महाराष्ट्र में कोरोना वायरस के 1 लाख 66 हजार 353 सक्रिय मामले हैं। पूरे भारत में कोरोना के 2 लाख 52 हजार 364 ऐक्टिव केस हैं।

>> स्वास्थ्य मंत्रालय के गुरुवार को

जारी आंकड़े के मुताबिक, देशभर में आ रहे कोरोना वायरस के नए मामलों में महाराष्ट्र की हिस्सेदारी सबसे ज्यादा 63.21 प्रतिशत है।

>> गुरुवार से पहले महाराष्ट्र में कोविड-19 के रोजाना आने वाले नए मामलों ने 25 हजार का आंकड़ा पार नहीं किया था। 11 सितंबर 2020 को महाराष्ट्र में 24 हजार 886 मामले आए थे।

>> कोरोना के सबसे ज्यादा ऐक्टिव केसों वाले देश के 10 जिलों में से 9 महाराष्ट्र के हैं। ये जिले हैं पुणे, नागपुर, मुंबई, ठाणे, नासिक, औरंगाबाद, जलगांव, नांदेड़ और अमरावती। इसके अलावा सिर्फ बेंगलुरु (शहरी) है जिला है जहां कोरोना के सबसे ज्यादा ऐक्टिव मामले हैं।

>> मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने गुरुवार को डिविजनल कमिशनरों के साथ वर्चुअल बैठक की और उन्हें राज्य में जारी प्रतिबंधों को सख्ती से लागू करवाने को कहा।

>> स्वास्थ्य सचिव प्रदीप व्यास ने कहा कि अगर रोजाना आने वाले मामलों में बढ़ोतरी होती रही तो राज्य में अप्रैल के पहले हफ्ते तक कोरोना वायरस के 3 लाख सक्रिय मामले रहेंगे।

>> स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने कहा कि राज्य फिलहाल टीकाकरण की प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए काम कर रहा है। सरकारर का लक्ष्य हर दिन 3 लाख लोगों को टीका देने का है।

>> स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि राज्य में कोरोना की दूसरी लहर आ रही है लेकिन इससे घबराने की जरूरत नहीं है।

>> राज्य में कोरोना के बढ़ते केसों में 95 प्रतिशत मरीज असिम्पटोमैटिक हैं।

>> अभी तक राज्य के नागपुर शहर में पूर्ण लॉकडाउन लगा दिया गया है। लॉकडाउन की घोषणा 15 से 21 मार्च तक के लिए की गई है। इसके अलावा पुणे, लातूर सहित कई अन्य जिलों में नाइट कर्फ्यू जैसे सख्त प्रतिबंध लागू किए गए हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

दिल की मजबूती

महिला पहलवान रितिका फोगाट की कथित आत्महत्या ने पूरे खेल जगत को झकझोर कर रख दिया है। शरीर की मजबूती ही सब कुछ नहीं होती, मन की मजबूती मनुष्य के पूरे बल की असली बुनियाद है। इस दुखद घटना के बाद हरियाणा सरकार के विचार काबिलेगौर हैं। हरियाणा के खेल मंत्री और पूर्व हॉकी कप्तान संदीप सिंह ने कहा है कि जल्द ही प्रदेश के स्टेडियमों व खेल नर्सरियों में मनोरोग विशेषज्ञ और काउंसलर लगाए जाएंगे, जो खिलाड़ियों को मानसिक तौर पर सशक्त बनाएंगे। वाकई, खिलाड़ियों को पदक विजेता बनाने से पहले मानसिक रूप से सशक्त बनाना ज्यादा जरूरी है। खिलाड़ियों पर हर वक्त जीतने का जो दबाव बनने लगा है, वह खेल प्रशिक्षकों और प्रशासकों के लिए चिंता का विषय होना चाहिए। रितिका फोगाट की आत्महत्या से जो सबसे बड़ा सवाल पैदा हुआ है, वह यही है कि क्या किसी खिलाड़ी को एक प्रतियोगिता में हार के बाद इतना निराश हो जाना चाहिए? क्या एक हार पर जिंदगी खत्म हो जाती है? सौ में से कोई एक खिलाड़ी को ही पदक नसीब होता है, लेकिन क्या बाकी 99 खिलाड़ियों की जिंदगी खुशगवार नहीं गुजरती? बहुत ऐसे खिलाड़ी मिलेंगे, जिन्होंने पदक नहीं जीते, लेकिन खुश हैं कि उन्होंने मुकाबला तो किया। लाखों में से किसी एक को ही मुकाबले में उतरने का मौका मिलता है, यह भी किसी उपलब्धि से कम नहीं है। रितिका फोगाट की मानसिक कमजोरी हमें समग्र खेल संस्कृति में सुधार के लिए विवश करती है। प्रशिक्षकों और प्रशासकों को ध्यान रखना होगा कि ऐसी स्थिति फिर न पैदा हो। जीत के लिए हठी बनाना जरूरी है, लेकिन यह बताना भी जरूरी है कि किसी हार के बाद जीत भी संभव है। दुनिया में जितने भी खिलाड़ी हैं, कभी न कभी हारे हैं और हार से सीखकर खड़े हुए हैं। खेलों की दुनिया जुनून और जज्बे से भरी है। कैरोली टकास जैसे निशानेबाज भी हुए हैं, जो एक हाथ गंवाने के बाद दूसरे हाथ से ओलंपिक स्वर्ण विजेता बने थे। किसी हार को अगली जीत में बदलने का जुनून ही किसी खिलाड़ी को ऊंचाई तक ले जाता है। अगर भारतीय अखाड़ों-मैदानों में कमियां, निराशाएं पलने लगी हैं, तो खेल की दुनिया से जुड़े तमाम अभिभावकों को सतर्क हो जाना चाहिए। क्या सब-जूनियर स्तर पर भी खेलों में आत्मघाती निराशा घर करने लगी है? इसके लिए कौन जिम्मेदार है? लोग भूले नहीं हैं, रोहतक के अखाड़े में गोलियां चली थीं और पांच लोग मारे गए थे। हरेक खिलाड़ी समाज की नजर में एक आदर्श की तरह होता है। उसके संघर्ष को देख लोग खुश होते हैं और दूसरे बच्चों को प्रेरित करते हैं। अगर खेल प्रशिक्षण केंद्रों में मानसिक मजबूती के कार्यक्रम या पाठ्यक्रम नहीं चल रहे हैं, तो तत्काल शुरू किए जाने चाहिए। अगर ऐसे पाठ्यक्रमों में कोई कमी है, तो उसे दूर करना प्राथमिकता होनी चाहिए। कोरोना का समय वैसे ही चुनौतीपूर्ण है, विगत दिनों में दो सांसदों ने भी आत्महत्या करके देश को चिंता में डाला है। जिन पर दूसरों की उम्मीदें टिकी हैं, जिन्हें अनजान लोगों का भी प्यार मिलता है, उन्हें भला क्यों इतनी निराशा हो रही है? मानसिक स्तर पर जन-प्रतिनिधि व खिलाड़ी भी ऐसी कमजोरी का इजहार करने लगेंगे, तो सरकार व उसके स्वास्थ्य महकमे को सक्रिय होना ही पड़ेगा। आज ऐसे सकारात्मक प्रचार-प्रसार की जरूरत है, जिससे सबका मनोबल बढ़ाया जा सके।

आज के ट्वीट

सनातन धर्म सर्वोपरि

जब हम कहते थे तो लोग मजाक समझते थे और अब अमेरिका ने मान लिया तुलसी और पीपल सर्वोत्तम चीन ने भी माना दाह संस्कार सर्वोत्तम है फ्रांस ने कहा संख की ध्वनि लाभदायक है इजरायल ने कहा हवन और यज्ञ से वायरस दूर होते हैं और विश्व ने माना नमस्कार सर्वोत्तम है 'सनातन धर्म सर्वोपरि'

-- पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ

बंदूक के लिए मचलते बाल मन को भी पढ़िए

विश्वनाथ सचदेव

पता नहीं कितनों का ध्यान गया होगा इस खबर पर। मेरा भी ध्यान न जाता यदि वह चित्र साथ न होता। चित्र कश्मीर का था, जिसमें दिखाया गया था कि एक तीन-चार साल का बच्चा एक सैनिक की मशीनगन लेने के लिए मचल गया है। बच्चे की ज़िद देखकर वह सैनिक मुस्कुरा रहा है, पर उसने मशीनगन बच्चे के हाथ में नहीं दी। उसे चॉकलेट खिलानी चाही। दुकान से कोई और खिलौना लेकर देने की बात भी कही। पर 'मैं तो वही खिलौना लूंगा, मचल गया दिनू का लाल' की तर्ज पर बच्चा मान नहीं रहा था। अंततः क्या हुआ, पता नहीं, पर यह सवाल मुझे अब भी घेरे हुए है कि क्या यह कोई मासूम बालहठ ही था या फिर बच्चे की इस ज़िद के पीछे कुछ और कारण भी था? वह चित्र देखकर और उसके साथ के वर्णन को जानकर तत्काल जो बात मेरे मन में आयी, वह यही थी कि दिन-रात गोलियों की आवाज सुनने वाला, आसपास बंदूकें लिये घूमते सैनिकों को देखने वाला या फिर घर में होने वाली हिंसक घटनाओं की बातें सुनने वाला बच्चा यदि मशीनगन के लिए मचल रहा है तो इसमें अस्वाभाविक क्या है? बच्चे बड़ी जल्दी बहल जाते हैं। किसी और खिलौने से कश्मीर के उस बच्चे को भी बहला दिया गया होगा, या फिर उसका ध्यान बंटा दिया गया होगा, पर सवाल सिर्फ उस मशीनगन का ही नहीं है, सवाल यह है कि वह कौन-सी मानसिकता है जो बच्चों को खिलौनों के रूप में भी बंदूक या तोप या तलवार बनाने की प्रेरणा देती है? मुझे बीस-पच्चीस साल पुरानी एक घटना याद आ रही है। देहरादून के एक स्कूल में अध्यापिका के मन में यह सवाल आया कि बच्चे खिलौने के रूप में भी एक बंदूक को क्यों पसंद कर रहे हैं? तब उसने बंदूक नहीं, बांसुरी का अभियान चलाया था। बच्चों को प्रेरित किया था कि वे बंदूक के बदले बांसुरी लें। उस अध्यापिका ने खिलौनों की दुकानों पर जाकर यह समझाने में सफलता पायी थी कि यदि कोई बच्चा बंदूक के बदले बांसुरी लेने आता है तो वे अदला-बदली कर देंगे। ऐसी कितनी अदला-बदली हुईं, पता नहीं, पर इस 'खेल' के पीछे की भावना किसी भी सभ्य समाज के लिए चिंतन का विषय होना चाहिए। यह एक गंभीर सवाल है कि हम अपने बच्चों के लिए यह कैसी दुनिया बना रहे हैं, जिसमें उसके बालमन को बांसुरी नहीं, बंदूक पसंद आ रही है। नहीं, सवाल जिज्ञासा का नहीं है। जिज्ञासा एक स्वाभाविक और स्वागतयोग्य बात है। जिज्ञासा का निराकरण भी स्वस्थ समाज की निशानी है, लेकिन बड़ों की कथनी-करनी से जो समाज बन रहा है, बनाया जा रहा है, वह स्वस्थ नहीं है। सवाल सिर्फ खिलौनों या बच्चों तक ही सीमित नहीं है, सवाल उस समूचे वातावरण का है जो आज बन रहा है। कल के नागरिक, यानी आज के बच्चे, आज जिस सामाजिक वातावरण में पल रहे हैं, वह कुल मिलाकर एक बीमार मानसिकता को भी जन्म दे रहा है, उसे पाल रहा है। हम यह मानकर चलते हैं कि तीन-चार साल का बच्चा बहुत भोला होता है, आसपास जो घट रहा है, उसका असर बहुत देर तक उसके मन में नहीं रहता। पर मनोवैज्ञानिक बताते हैं कि ऐसा है नहीं। बच्चा चाहे तीन-चार साल का हो या दस-बारह साल का, उस सबसे अप्रभावित नहीं रह सकता जो उसके आसपास घट रहा है। वह सब सुरक्षित रहता है उसके मन-मस्तिष्क के किसी कोने में जो आगे चलकर कभी भी उसके व्यवहार को प्रभावित करता है। कश्मीर की सड़कों पर गश्त लगाते शस्त्रधारी सैनिक हों, या छोटे और बड़े पर्दे पर दिखाई जाने वाली हिंसा, यह सब उसके अवचेतन पर असर डालती है। हिंसा ही नहीं, बड़ों का सारा व्यवहार भी असर डालता है। बड़े यानी वे नहीं जो सिर्फ उम्र में बड़े होते हैं। हमारे सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक नेता भी वे बड़े हैं जो समाज के आचरण पर ग़लत असर डालने के लिए उत्तरदायी हैं। इन सबका व्यवहार कहीं न कहीं बच्चों, बड़ों, सबको, प्रभावित करता है। खबरें चाहे साधुओं, मौलवियों, पादरियों के दुर्व्यवहार की हों या फिर हमारे राजनेताओं के कारनामों की, यदि वे अनुचित हैं तो उनका असर भी अनुचित ही पड़ेगा। आये दिन हम अपने राजनेताओं को झूठ बोलते सुनते हैं, उनके आधारहीन दावों और वादों की सूची सुरसा के मुंह की तरह बढ़ती ही जाती है। उनके व्यवहार का खोखलापन लगातार उजागर होता रहता है। नेता चाहे वे किसी भी रंग के झंडे वाले हों, आये दिन अपने स्वार्थ साधते ही दिखते हैं। नारे और जुमले उछालना उन्हें बहुत आता है। वे शायद ही कभी सोचते हों कि समाज उनकी कथनी और करनी से किस तरह प्रभावित हो रहा है।

पिछले एक अर्से से एक सवाल बार-बार मेरे सामने आ खड़ा होता है। देश और पूरी दुनिया आज कोरोना से जूझ रही है। हरसंभव कोशिश करने के दावे किये जा रहे हैं इस महामारी को पराजित करने के। नागरिकों से अपेक्षा की जा रही है कि वे संयम बरतें, सावधानी बरतें। सरकार के निर्देशों का पालन करें। कहीं धारा 144 लगायी जा रही है, कहीं कर्फ्यू लग रहे हैं। मास्क न लगाये जाने जैसे अपराधों के लिए लोग दंडित किए जा रहे हैं। यह सब ज़रूरी है। पर क्या किसी भी राजनेता के दिमाग़ में यह बात आयी कि हजारों-लाखों की भीड़ वाली चुनावी सभाओं पर रोक लगे? क्यों नहीं किसी राजनीतिक दल ने यह घोषणा की कि कोरोना आपदा को देखते हुए इस बार चुनाव में बड़ी-बड़ी सभाएं नहीं करेगा? क्यों हमारे प्रधानमंत्री को यह नहीं सूझा कि वे इस दिशा में पहल करें? क्यों चुनाव आयोग को यह नहीं लग रहा कि चुनावी सभाओं पर प्रतिबंध लगा दे? हजारों की भीड़ वाले चित्रों को देखकर आखिर क्या असर पड़ेगा जनमानस पर? ये और इस तरह की सारी बातें समाज की सोच और व्यवहार को प्रभावित करती हैं। मशीनगन के लिए ज़िद करने वाला बच्चा तो भोला हो सकता है, उसे ग़लती के लिए समझाया भी जा सकता है, पर पथभ्रष्ट 'बड़े बच्चों' को कैसे समझाया जाये। जगाया उसको जाता है जो सो रहा हो, जो सोने का नाटक करता है, उसे कौन जगा सकता है? मशीनगन के लिए जिद करने वाले बच्चे का चित्र परेशान करने वाला है, पर यह जो समाज का व्यापक चित्र हम अपने आसपास देख रहे हैं, डरावना है। आवश्यकता इन दोनों चित्रों के परिणामों से बचने की है। यह तभी संभव है जब हम बंदूक और बांसुरी के फर्क को अपनी सोच का हिस्सा बनायेंगे। ऐसी सोच हमारी कथनी और करनी में झलकनी चाहिए। सवाल बच्चे की नासमझी का ही नहीं, बड़ों की खतरनाक समझदारी का भी है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

ज्ञान गंगा

ध्यान और रिश्ता

जग्गी वासुदेव

अगर आप मानव अस्तित्व की सबसे बुनियादी समस्या से निबटने की कोशिश करते हैं तो बाकी सभी समस्याएं तुच्छ और अर्थहीन नजर आती हैं। अगर आप इस स्थिति तक नहीं पहुंचे हैं तो कोई बात नहीं, लेकिन फिर भी जुकाम ठीक करने के लिए कीमो का इस्तेमाल करना ठीक नहीं। यह बेहद अफसोस की बात है कि जब आप ध्यान करते हैं, केवल तभी आपके मन में कुछ स्पष्टता रहती है, बाकी समय आपके मन में भारी हलचल या कोलाहल रहता है। इसकी वजह है आपके भीतर बुनियादी तौर पर एक भ्रम है। हम ईशा क्रिया द्वारा इसको सरल तरीके से दूर करने की कोशिश करते हैं। क्रिया के दौरान कहा जाता है-'न ही मैं शरीर हूं और न ही मन हूं।' अगर आपने यह चीज अनुभव के स्तर पर समझ ली तो आपकी बाकी समस्याएं एक झटके में गायब हो जाएंगी। आज परिवार की किसी छोटी-मोटी समस्या ने अगर आपके होश उड़ा रखे हैं। इसे ठीक करने के लिए आप ध्यान का सहारा मत लीजिए। इसके लिए टहलिए, तैराकी कीजिए और अपना होश दुरुस्त कीजिए। आखिरकार आपने अपने कल्याण के लिए अपने आसपास परिवार खड़ा किया है। अगर यह आपकी बेहतरी के खिलाफ काम कर रहा है, तो फिर आपको यह देखने की जरूरत है कि इस पूरे मामले में आप कहां गलती कर रहे हैं। क्या आपने परोपकार के लिए शादी की थी? आपने शादी इसलिए की थी कि आप अकेले नहीं रह सकते थे। आपकी दलील होगी, 'अरे सद्गुरु , ये सब इतना आसान नहीं है। आप नहीं जानते कि हर दिन मेरे साथ क्या कुछ हो रहा है?' मुझे ये सारी चीजें पता हैं। बल्कि आप अपनी जिंदगी का सही नजरिया खो रहे हैं। आपका ध्यान रोजमर्रा की तुच्छ समस्याओं के हल के लिए नहीं हैं, बल्कि यह मानव अस्तित्व की सबसे बुनियादी समस्या से निबटने के लिए है। आप नहीं जानते कि आप इस दुनिया में क्यों आए हैं और आपके अस्तित्व की प्रकृति क्या है? अगर आप अपने अस्तित्व की मूल प्रकृति को जानते तो फिर ये सारी चीजें आपके लिए महज एक खेल होतीं। आप जिंदगी के इस खेल या नाटक को जब तक, जहां तक और जिस तरह खेलना चाहते, अपनी जरूरत के हिसाब से खेल सकते थे। हर व्यक्ति को एक ही तरह से, एक ही स्तर तक नाटक खेलने की जरूरत नहीं है।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कन्या दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

वृश्चिक आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

मकर पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कोरोना काल में बदहाल शिक्षा व्यवस्था

उमेश चतुर्वेदी

देश में एक बार फिर कोरोना अपना रंग दिखाने लगा है। इस बीच दो तरह की धाराएं दिखने लगी हैं। कुछ एक हिदायतों के साथ कोरोना के दौरान की गई बंदी से देश उबर चुका है। कामकाज के स्थल, दुकानें खुल चुकी हैं, वहीं अब भी कोरोना के असर से ज्यादा प्रभावित राज्यों को छोड़ दें तो स्कूल या तो बंद हैं या फिर वहां ऑनलाइन पढ़ाई हो रही है। कॉलेज, तकनीकी संस्थान और विश्वविद्यालय आदि में अब तक फिजिकल पढ़ाई शुरू नहीं हो पाई है। अभिभावकों की दो तरह की सोच सामने आ रही है। सुदूर देहातों और सुविधाहीन इलाकों के लोग चाहते हैं कि स्कूल खुलें और उनके बच्चों को पढ़ने के लिए स्कूलों में जाने दिया जाए। वहीं दिल्ली, मुंबई जैसे महानगरों के सुविधा संपन्न स्कूलों के छात्रों के अभिभावक अब भी चाहते हैं कि उनके बच्चों को स्कूल न आना पड़े। दिल्ली सरकार ने फरवरी में नौवीं से लेकर बारहवीं तक के विद्यार्थियों के लिए स्कूलों को छूट दी कि वे वर्चुअल कक्षाओं की बजाय छात्रों को सीधे स्कूल बुलाएं। दसवीं और बारहवीं की बोर्ड परीक्षाओं को देखते हुए अभिभावकों ने अपने बच्चों को स्कूल भेजने की हामी तो भर दी, लेकिन नौवीं और ग्यारहवीं के छात्रों को भेजने से अभिभावकों ने इनकार कर दिया है। दक्षिण दिल्ली के रामजस पब्लिक स्कूल ने अपने नौवीं और ग्यारहवीं के बच्चों को वार्षिक परीक्षाएं ऑनलाइन कराने से इनकार कर दिया। अभिभावकों ने इसके खिलाफ अभियान चलाया। इस बीच एक अध्यापिका वहां कोरोना पॉजिटिव पाई गई। इसके बाद स्कूल को 14 मार्च से 17 मार्च तक बंद करना पड़ा। अब अभिभावक पूछ रहे हैं कि कहां है स्कूल का सुरक्षा का दावा। वैसे अब अभिभावक भी चाहते हैं कि उनके बच्चे स्कूल जाएं। इस बीच बच्चों में भी एक प्रवृत्ति विकसित हो गई है। वे नहीं चाहते कि वर्चुअल पढ़ाई की घर बैठी मिली सुविधा छोड़ें। इसका एक फायदा यह है कि बच्चे या छात्र एक बार वर्चुअल हाजिरी दिखाकर वीडियो संपर्क बंद कर लेते हैं और अपने काम में जुट जाते हैं। इसका असर यह होता है कि वर्चुअल माध्यम से इंटरेक्टिव कक्षाएं नहीं हो पा रही हैं। अब शिक्षाविद् भी मानने लगे हैं कि सामान्य कक्षा की जगह वर्चुअल कक्षाएं नहीं ले सकतीं। एनसीईआरटी के पूर्व निदेशक जगमोहन सिंह राजपूत का कहना है कि वर्चुअल कक्षाओं से प्रतिभा को उस तरह नहीं संवारा जा सकता। इसकी वजह यह है कि वर्चुअल कक्षाओं के जरिए विद्यार्थियों के साथ सीधा संवाद तो होता भी नहीं, कई बार नेटवर्क समस्या की वजह से संवाद की सामग्री में भी गिरावट आ जाती है। इस देश में अब भी लाखों विद्यार्थी ऐसे हैं, जिनके पास एंड्रायड फोन नहीं है, जिनके पास इंटरनेट की सुविधा नहीं है। इसलिए यह भी सोचने की बात है कि आखिर वे कब तक स्कूलों से बाहर रहेंगे और पढ़ाई से वंचित रहेंगे। वैसे भी आज के दौर में वंचित समुदाय और व्यक्तियों के लिए आगे बढ़ने का एकमात्र साधन पढ़ाई ही है। नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग (न्यूपा) के पूर्व कुलपति प्रोफेसर आर. गोविंदा का कहना है कि स्मार्ट फोन या लैपटाप नहीं होने से गरीब तबके के छात्र पढ़ाई छूटने और बाकी साथियों से पिछड़ने को लेकर बहुत तनाव में हैं। उनके मुताबिक, ज्यादातर उन छात्रों ने पढ़ाई छोड़ दी है, जिनके पास स्मार्ट फोन और लैपटाप नहीं है। सामान्य दिनों में हर वर्ष करीब 30 प्रतिशत छात्र आठवीं कक्षा तक भी नहीं पहुंच पाते और करीब पांच फीसदी गरीब बच्चे स्कूल छोड़ देते हैं। प्रो. गोविंदा के मुताबिक, गरीब अभिभावकों के पास बच्चों को मोबाइल, लैपटॉप, इंटरनेट का साधन नहीं है। इस वजह से कई गरीब मां-बाप सोचते हैं कि एक बच्चे को ठीक से पढ़ाओ और दूसरे को छोड़ दो। उनके अनुमान के मुताबिक, कोरोना काल में आठवीं कक्षा तक की 15 प्रतिशत लड़कियों ने स्कूल छोड़ दिया है। उ.प्र. के माध्यमिक शिक्षा संबंधी आंकड़ों के मुताबिक, राज्यभर के माध्यमिक विद्यालयों में 29 लाख छह हजार व्हाट्सएप ग्रुपों के माध्यम से 67 लाख 73 हजार छात्र-छात्राओं की पढ़ाई कराई गई। राज्य में 20 अप्रैल, 2020 से व्हाट्सएप ग्रुप के जरिए वर्चुअल कक्षाएं शुरू हुई थीं। परिषद के ही आंकड़ों के मुताबिक, एनसीईआरटी के स्वयंप्रभा चैनल 22 के माध्यम से कक्षा 10 व 12 की ई-कक्षाएं एक मई से शुरू हुईं। नये माध्यम से शिक्षा देने के लिए कोरोना के दौरान 1.48 लाख शिक्षकों को ऑनलाइन ट्रेनिंग दी गई। कोरोना काल में बच्चों की मानसिक स्थिति पर भी प्रभाव पड़ा है। जिन छात्रों के पास संसाधन नहीं है, खासतौर पर उनकी मनोस्थिति पर ज्यादा नकारात्मक असर दिखा है। अब अभिभावक भी चाहने लगे हैं कि स्कूल खुलें। सामुदायिक इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म लोकल सर्कल ने देशभर के 224 जिलों में बच्चों के माता-पिता पर सर्वे किया है। इसके मुताबिक 69 फीसदी लोग चाहते हैं कि अप्रैल, 2021 या उसके बाद स्कूलों को खोल देना चाहिए।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

लोढ़ा समूह अपने सभी कर्मचारियों, परिवार के सदस्यों को कोविड-19 वैक्सीन लगाएगा

नयी दिल्ली, रियल एस्टेट डेवलपर लोढ़ा समूह ने कहा कि वह अपने सभी कर्मचारियों, सहयोगियों और परिवार के सदस्यों का कोविड-19 वैक्सीन लगवाने का खर्च उठाएगा। समूह ने एक विज्ञप्ति में कहा कि वह अपने कर्मचारियों और उनके आश्रितों (जीवनसाथी और माता-पिता सहित) तथा कंपनी से जुड़े किसी तीसरे पक्ष को सुविधाजनक ढंग से वैक्सीन लगवाने की व्यवस्था करेगा। लोढ़ा समूह की अध्यक्ष (मानव संसाधन) जान्हवी सुखतनकर ने कहा, ''रियल एस्टेट उद्योग आने वाले समय में भारत की आर्थिक वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इसलिए हमारे कार्यबल की सेहत आवश यक है, ताकि क्षेत्र को वृद्धि की उच्च राह पर बनाए रखा जा सके और देश का पुनर्निर्माण किया जा सके।''

अगले वित्त वर्ष में 6,000 करोड़ रुपये जुटाएगी मणप्पुरम फाइनेंस

नयी दिल्ली, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) मणप्पुरम फाइनेंस अगले वित्त वर्ष में 6,000 करोड़ रुपये जुटाएगी। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कंपनी ने कहा कि उसके निदेशक मंडल की शुक्रवार को हुई बैठक में यह फैसला किया गया। कंपनी ने कहा, ''मणप्पुरम फाइनेंस लि. के निदेशक मंडल की बैठक में वित्त वर्ष 2021-22 के लिए कोष जुटाने के कार्यक्रम पर विचार किया गया और इसे मंजूरी दी गई। इसमें विमोच्य गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर जारी कर 6,000 करोड़ रुपये जुटाने का भी कार्यक्रम शामिल है। '' कंपनी ने कहा कि यह राशि निजी नियोजन के आधार पर विमोच्य गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर जारी कर या एक या अधिक किस्तों में सार्वजनिक निर्गम के जरिये जुटाई जाएगी।

ओप्पो फाइन्ड एक्स3 सीरीज की 15 सेकंड में हुई 111 करोड़ रुपए से अधिक की सेल

नई दिल्ली। ओप्पो फाइन्ड एक्स3 सीरीज को यूजर्स का शानदार रिस्पॉन्स मिला है। कंपनी ने इस सीरीज की पहली सेल में केवल 15 सेकंड में ही 100 मिलियन युआन (करीब 111 करोड़) रुपये के फोन बेच दिए। हाल में लॉन्च हुई इस सीरीज को शुक्रवार को चीन में पहली बार सेल में उपलब्ध कराया गया था। इस सीरीज के डिवाइस की शुरुआती कीमत 4,499 युआन (करीब 50 हजार रुपए) है। ओप्पो फाइन्ड एक्स3 8जीबी रैम और 128जीबी/256जीबी के इंटरनल स्टोरेज ऑप्शन में आता है। इस सीरीज के टॉप एंड वेरियंट यानी फाइन्ड एक्स3 प्रो की कीमत 5,999 युआन (करीब 66,500 रुपए) है। ओप्पो फाइंड एक्स 3 और एक्स 3 प्रो में 6.7 इंच का 10-बिट कर्व्ड ई4 ओलेड क्यूएचडी प्लस डिस्प्ले मिलता है। डिस्प्ले का रेजॉलूशन 3126×1440 पिक्सल है और यह डिस्प्ले पर 100 करोड़ तक के कलर सपॉर्ट के साथ आता है। फोन का अडैप्टिव रिफ्रेश रेट 120-5हर्ट्ज तक है। डिस्प्ले की खास बात है कि इसमें एचडीआर 10प्लस सपॉर्ट भी मिल जाता है। फाइंड एक्स 3 में एलपीडीडीआर4एक्स रैम और एक्स 3 प्रो में एलपीडीडीआर5 रैम मिलती है। दोनों स्मार्टफोन यूएफएस 3.1 स्टोरेज के साथ आते हैं। प्रोसेसर की बात करें तो प्रो वर्जन में कंपनी स्नैपड्रैगन 888 ऑफर कर रही है। वहीं, नॉन-प्रो वर्जन स्नैपड्रैगन 870 चिपसेट के साथ आता है। फोटॉग्रफी के लिए दोनों स्मार्टफोन में एलईडी फ्लैश के साथ 4 रियर कैमरे दिए गए हैं। इनमें सोनी आईएमङ्ग766 सेंसर वाला 50 मेगापिक्सल का प्राइमरी कैमरा दिया गया है। इसके अलावा यहां एक 3 मेगापिक्सल का मैक्रो लेंस और एक 13 मेगापिक्सल का टेलिफोटो कैमरा दिया गया है। सेल्फी के लिए फोन्स में 32 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा दिया गया है। दोनों स्मार्टफोन्स में 4500एमएएच की बैटरी लगी है जो 65 वॉट की सुपर वीओओसी चार्जिंग, 30 वॉट की एयरवीओओसी फ्लैश चार्जिंग और 10 वॉट की रिवर्स वायरलेस चार्जिंग को सपॉर्ट करती है। ओएस की बात करें तो फोन में ऐंड्रॉयड 11 पर बेस्ड कलरओएस 11.2 दिया गया है।

ओएलईडी डिस्प्ले के साथ 2022 में आईपैड एयर लॉन्च कर सकता है एप्पल

सैन फ्रांसिस्को.

एप्पल के विश्लेषक मिंग-ची कुओ ने दावा किया है कि एप्पल अगले साल की दूसरी छमाही में आईपैड एयर को ओएलईडी डिस्प्ले के साथ बदल देगा। यानी उनके संकेत से साफ हैं कि आईपैड एयर अगले साल ओएलईडी डिस्प्ले के साथ लॉन्च हो सकता है। मैकरूमर्स की रिपोर्ट के अनुसार, कुओ ने अपने लेटेस्ट इनवेस्टर नोट में किए गए विश्लेषण में विश्वास जताया है कि 2022 में जब आईपैड एयर एक ओएलईडी डिस्प्ले में बदल जाएगा, तब भी मिनी-एलईडी आईपैड प्रो मॉडल के लिए एक डिस्पले प्रौद्योगिकी के रूप में अपने टैबलेट लाइनअप में पहले जैसा ही बना रहेगा। एप्पल वर्तमान में एप्पल वॉच और आईफोन में ओएलईडी डिस्प्ले का उपयोग करता है, जबकि मैक और आईपैड अभी भी पुरानी एलसीडी तकनीक को बरकरार रखे हुए हैं। यह ओएलईडी डिस्प्ले को अपनाने वाला पहला 10.9 इंच का आईपैड होगा। बताया जा रहा है कि यह आईपैड एयर का एक रिफ्रेश वर्जन होगा।

अगले कुछ डिवाइस जिनमें ओएलईडी डिस्प्ले होंगी, उनमें 12.9 इंच का आईपैड प्रो और 16 इंच का मैकबुक प्रो शामिल है। इस बीच यह खबर भी आ रही है कि एप्पल कथित तौर पर आईपैड मिनी प्रो पर काम कर रहा है और इसे इस साल की दूसरी छमाही के दौरान बाजार में उतारा जा सकता है। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि आईपैड मिनी प्रो में 8.7 इंच का डिस्प्ले दिया गया है और इसकी चौड़ाई आईपैड मिनी (2019) से अधिक बताई जा रही है। लाइटनिंग कनेक्टिविटी के साथ इसमें होम बटन और टच आईडी होने की भी उम्मीद है। आगामी आईपैड मिनी प्रो उसी डिजाइन के साथ बाजार में उतारा जा सकता है, जैसे पिछले सालों के दौरान आईपैड मिनी लॉन्च किए गए हैं।

कृषि, ग्रामीण मजदूरों के लिए खुदरा मुद्रास्फीति फरवरी में बढ़ी

नई दिल्ली :

कृषि और ग्रामीण मजदूरों के लिए खुदरा मुद्रास्फीति फरवरी में बढ़कर क्रमशः 2.67 प्रतिशत और 2.76 प्रतिशत हो गई, जो इससे पिछले महीने जनवरी 2021 में क्रमशः 2.17 प्रतिशत और 2.35 प्रतिशत थी। सीपीआई-एएल और सीपीआई-आरएल के खाद्य सूचकांक पर आधारित मुद्रास्फीति फरवरी 2021 में क्रमशः 1.55 प्रतिशत और 1.85 प्रतिशत थी। कृषि मजदूरों और ग्रामीण मजदूरों के लिए अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक जनवरी 2021 की तुलना में फरवरी 2021 में एक-एक अंक घटकर क्रमशः 1037 और 1044 अंक रहा। फरवरी 2020 में सीपीआई-एएल 1010 और सीपीआई-आरएल 1016 पर था।

डॉलर के मुकाबले रुपया 72.52 रुपये पर लगभग अपरिवर्तित रहा

मुंबई, विदेशी मुद्राओं के समक्ष डॉलर में लगातार मजबूती और घरेलू शेयर बाजार में गिरावट का सिलसिला थमने के बीच शुक्रवार को अमेरिकी डालर के मुकाबले रुपये की विनिमय दर एक पैसे सुधर कर 72.52 पर बंद हुई। अंतरबैंक विदेशी विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 72.57 पर कमजोर खुला कारोबार के दौरान रुपया प्रति डालर 72.46 के उच्च स्तर और 72.58 के निम्न स्तर को छूने के बाद अंत में एक पैसे की तेजी दर्शाता 72.52 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। बृहस्पतिवारा को रुपया, अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 72.53 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.08 प्रतिशत बढ़कर 91.94 पर पहुंच गया। वैश्विक जिंस बाजार में ब्रेंट क्रूड वायदा 1.33 प्रतिशत बढ़कर 64.12 डालर प्रति बैरल हो गया। बंबई शेयर बाजार का 30 शेयरों पर आधारित सूचकांक 641.72 अंकों की तेजी के साथ 49,858.24 अंक पर बंद हुआ। शेयर बाजार के अस्थाई आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशक स्थानीय शेयर बाजार में लिवाल बने हुए हैं और उन्होंने बृहस्पतिवार को 1,258.47 करोड़ रुपये के शेयरों की शुद्ध लिवाली की।

बाजार में गिरावट पर लगा विराम, सेंसेक्स 642 अंक उछला

मुंबई,

देश के शेयर बाजारों में पिछले पांच कारोबारी सत्रों से जारी गिरावट पर शुक्रवार को विराम लग गया और बीएसई सेंसेक्स 642 अंक की जोरदार तेजी के साथ बंद हुआ। अमेरिकी ट्रेजरी पर प्रतिफल की दर बढ़ने को लेकर जारी चिंता के बीच वैश्विक स्तर पर गिरावट के रुख के बावजूद रिलायंस इंडस्ट्रीज, दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली कंपनियों (एफएमसीजी) और आईटी कंपनियो के शेयरों में तेजी के साथ बाजार में मजबूती आयी। कारोबारियों के अनुसार कई राज्यों में कोविड-19 के बढ़ते मामलों और उसकी रोकथाम के लिये स्थानीय स्तर पर 'लॉकडाउन' को निवेशकों ने तरजीह नहीं दी। इससे आर्थिक पुनरूद्धार को खतरा हो सकता है। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स में उतार-चढ़ाव रहा। पर अंत में यह 641.72 अंक यानी 1.30 प्रतिशत की बढ़त के साथ 49,858.24 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 186.15 अंक यानी 1.28 प्रतिशत की बढ़त के साथ 14,744 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के शेयरों में सर्वाधिक लाभ में एनटीपीसी का शेयर रहा। इसमें 4.58 प्रतिशत की तेजी आयी। इसके अलावा एचयूएल, पावरग्रिड, रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईटीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट और एचसीएल टेक के शेयरों में भी तेजी रही। दूसरी तरफ जिन शेयरों में गिरावट रही उनमें एल एंड टी, टेक महिंद्रा, बजाज ऑटो और टाइटन प्रमुख हैं। इनमें 1.20 प्रतिशत तक की गिरावट आयी। सप्ताह के दौरान सेंसेक्स 933.84 अंक यानी 1.83 प्रतिशत नीचे आया जबकि निफ्टी में 286.95 अंक यानी 1.90 प्रतिशत की गिरावट आयी। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में सुबह की गिरावट के बाद अच्छी तेजी आयी। एफएमसीजी, औषधि और ऊर्जा कंपनियों के शेयरों में मजबूत लिवाली से बाजार में तेजी आयी। हालांकि सरकार की नई कबाड़ नीति की घोषणा के बाद वाहन कंपनियों के शेयर दबाव में रहे।'' उन्होंने कहा, ''अमेरिका में बांड प्रतिफल में तेजी तथा दुनिया भर में कोविड-19 संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी से वैश्विक बाजारों में गिरावट रही।'' एशिया के अन्य बाजारों में शंघाई, हांगकांग, तोक्यो और सोल में गिरावट रही। भारतीय समयानुसार दोपहर बाद खुले यूरोप के प्रमुख बाजारों में नुकसान का रुख रहा। इस बीच, वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.36 प्रतिशत की बढ़त के साथ 64.14 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया केवल एक पेसे की मामूली बढ़त के साथ 72.52 पर बंद हुआ। शेयर बाजार के पास उपलब्ध आंकड़े के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशक पूंजी बाजार में शुद्ध लिवाल बने हुए हैं। उन्होंने बृहस्पतिवार को 1,258.47 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे।

दिल्ली में घर-घर राशन वितरण योजना को केंद्र ने क्यों नहीं दी मंजूरी, जानिए वजह

नई दिल्ली।

दिल्ली में बहुप्रतीक्षित घर-घर राशन वितरण योजना पर ग्रहण लग गया है क्योंकि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून (एनएफएसए) के तहत देश के 81 करोड़ से ज्यादा लोगों को मुहैया किए जाने वाले राशन का वितरण कोई राज्य सरकार अन्य योजना के नाम से करे, यह केंद्र सरकार को मंजूर नहीं है. दिल्ली सरकार लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली (टीपीडीएस) के तहत राशन बांटने के लिए 'मुख्यमंत्री घर-घर राशन योजना (एमएमजीजीआरवाई)' जल्द ही शुरू करने जा रही थी. मगर, केंद्र सरकार ने एनएफएसए के अनाज के वितरण के लिए इस योजना को मंजूरी देने से मना कर दिया है. केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के तहत खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग में संयुक्त सचिव एस. जगन्नाथन ने शुक्रवार को दिल्ली सरकार खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के सचिव सह आयुक्त को लिखे पत्र में कहा है कि एनएफएसए के अनाज के वितरण के लिए दिल्ली सरकार द्वारा योजना के नए नाम को स्वीकृति नहीं दी जा सकती है. हालांकि केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि प्रदेश सरकार एनएफएसए के अनाजों की मिक्सिंग किए बगैर अगर अलग से कोई योजना बनाती है तो उसे कोई एतराज नहीं होगा. केंद्र सरकार द्वारा लिखे गए पत्र में दिल्ली सरकार से राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के तहत पात्र लाभार्थियों को राशन वितरण के लिए एनएफएसए के मानदंडों को पालन करने का आग्रह किया गया है. केंद्र सरकार ने कहा कि एनएफएसए के तहत लाभार्थियों को सस्ती दरों पर अनाज उपलब्ध कराने के लिए जो राशन राज्यों को आवंटित किया जाता है उसका उपयोग एनएफएसए के अलावा दूसरे नाम के तहत राज्य की योजना या अन्य योजना को लागू करने के लिए नहीं किया जा सकता है. साथ ही, नाम समेत अधिनियम के प्रावधानों में नाम में किसी प्रकार का बदलाव संसदीय प्रक्रियाओं के तहत ही किया जा सकता है. उधर, आम आदमी पार्टी (आप) की दिल्ली सरकार ने केंद्र पर डोरस्टेप राशन वितरण योजना पर रोक लगाने का आरोप लगाया है. केजरीवाल सरकार द्वारा राशन की डोरस्टेप डिलीवरी के लिए योजना को अधिसूचित किया गया था, जो कि पहले की घोषणा के अनुसार, इस साल मार्च के अंत तक प्रभावी होना था. केजरीवाल ने दिल्ली सचिवालय में अपने गणतंत्र दिवस के भाषण के दौरान इस योजना की घोषणा की थी.

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 के लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली (टीपीडीएस) के 'मुख्यमंत्री घर घर योजना'(एमएमजीजीआरवाई) के तहत घोषित इस योजना को सरकार द्वारा 20 फरवरी को अधिसूचित किया गया था.

लाभार्थियों को उनके घर पर पैकेट में गेहूं का आटा और चावल पहुंचाया जाना है. दिल्ली राज्य नागरिक आपूर्ति निगम ने लाभार्थियों, उनके कोटा और बायोमेट्रिक विनिदेशरें की एक सूची तैयार की है, जिसके अनुसार उन्हें सब्सिडी वाले खाद्यान्न की लागत के साथ प्रसंस्करण शुल्क का भुगतान करना होगा. केजरीवाल ने अपने गणतंत्र दिवस के संबोधन में उल्लेख किया कि राजधानी में सभी लाभार्थी जिनके पास राशन कार्ड है, वे योजना का लाभ उठा सकते हैं. यह योजना वैकल्पिक होगी और मौजूदा टीपीडीएस लाभार्थियों को इसके तहत नामांकन के लिए निर्दिष्ट करना होगा. दिल्ली में लगभग 17 लाख पीडीएस लाभार्थी हैं.

भारत में सस्ते हुए मकान! ग्लोबल प्राइस इंडैक्स में 13 पायदान फिसली भारत की रैंकिंग

नई दिल्ली :

भारत 2020 की चौथी तिमाही में कीमतों की वृद्धि मामले में वैश्विक तौर पर 56वें स्थान पर रहा है। इंटरनेशनल प्रॉपर्टी कंसल्टेंसी नाइट फ्रैंक (**Knight Frank**) की लेटेस्ट रिपोर्ट के मुताबिक, भारत ग्लोबल होम प्राइस इंडैक्स में दिसंबर 2020 में खत्म हो रही तिमाही के दौरान 13 स्थान गिरा है। 2019 की चौथी तिमाही में 43वें रैंक के मुकाबले भारत में घरों की कीमतों में सालाना आधार पर 3.6 फीसदी की गिरावट आई है, जिससे दुनिया में उसकी रैंक में गिरावट हुई।

टर्की सूची में टॉप पर मौजूद

ग्लोबल हाउस प्राइस इंडैक्स 56 देशों और प्रदेशों में आवासीय कीमतों को ट्रैक करता है। 2019 की चौथी तिमाही से 2020 की चौथी तिमाही की अवधि में, टर्की सालाना आधार पर 30.3 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ सालाना रैंकिंग में शीर्ष पर रहा। इसके बाद 18.6 फीसदी सालाना ग्रोथ के साथ न्यूजीलैंड और फिर 16.0 फीसदी के साथ **Slovakia** आता है। भारत 2020 की चौथी तिमाही में सबसे कमजोर प्रदर्शन वाला देश रहा, जहां घरों की कीमतों में सालाना आधार पर 3.6 फीसदी की गिरावट आई है। इसके बाद मॉरोको है, जहां 3.3 फीसदी की सालाना गिरावट है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 89 फीसदी देश और प्रांतों में 2020 के दौरान कीमतों में बढ़ोतरी देखी गई है। जिसमें कई उभरते बाजारों ने मजबूत प्रदर्शन किया है, जिसमें टर्की शामिल है, जो लगातार चौथी तिमाही इंडैक्स में टॉप पर रहा है।

न्यूजीलैंड, रूस की रैंकिंग में सुधार

रिपोर्ट के मुताबिक, दुनियाभर में मौजूद 56 देशों और प्रदेशों में 2020 के दौरान आवासीय कीमतें सालाना 5.6 फीसदी की दर से बढ़ी हैं। जिसके मुकाबले 2019 में यह दर 5.3 फीसदी थी। इसमें कहा गया है कि कुछ बाजारों जैसे न्यूजीलैंड (19), रूस (14 फीसदी), कनाडा और यूके (दोनों 9 फीसदी) ने पिछले तीन महीनों के दौरान घरों की डिमांड में बढ़ोतरी की वजह से रैंकिंग में सुधार हुआ है।

सरकार टाटा कम्युनिकेशंस से बाहर निकली, 10 प्रतिशत हिस्सेदारी बेची

नयी दिल्ली,

सरकार ने बाजार के बाहर सौदे में टाटा कम्युनिकेशंस में अपनी 10 प्रतिशत हिस्सेदारी टाटा संस की इकाई पैनाटोन फिनवेस्ट को बेच दी है। इस तरह सरकार टाटा कम्युनिकेशंस से बाहर निकल गई है। इस सौदे से पहले कंपनी में सरकार की हिस्सेदारी 26.12 प्रतिशत और पैनाटोन फिनवेस्ट की हिस्सेदारी 34.80 प्रतिशत, टाटा संस की 14.07 प्रतिशत और सार्वजनिक शेयरधारकों के पास शेष 25.01 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। दूरसंचार विभाग ने भारत के राष्ट्रपति की ओर से शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कहा, ''हम यह सूचित करना चाहते हैं कि हमने बाजार के बाहर सौदे में खरीदार को 2,85,00,000 इक्विटी शेयर बेचे हैं। यह कंपनी की कुल शेयरधारिता का 10 प्रतिशत है।'' सरकार ने पैनाटोन फिनवेस्ट लि. को 10 प्रतिशत हिस्सेदारी बेची है। सरकार पहले ही खुदरा और गैर-खुदरा निवेशकों को बिक्री पेशकश (ओएफएस) के जरिये कंपनी की 16.12 प्रतिशत हिस्सेदारी 1,161 रुपये प्रति शेयर के न्यूनतम मूल्य पर बेच चुकी है। सरकार ने बिक्री पेशकश के न्यूनतम 25 प्रतिशत शेयर म्यूचुअल फंड कंपनियों तथा बीमा कंपनियों तथा 10 प्रतिशत खुदरा निवेशकों के लिए आरक्षित किए थे।

ओएफएस को 1.33 गुना अभिदान मिला था। टाटा समूह ने 2002 में पूर्ववर्ती विदेश संचार निगम लि. का अधिग्रहण किया था। उसके बाद टाटा कम्युनिकेशंस अस्तित्व में आई थी। विदेश संचार निगम लि. की स्थापना सरकार ने 1986 में की थी। यह हिस्सेदारी बिक्री सरकार की विनिवेश प्रक्रिया का हिस्सा है।

टाटा मोटर्स का कॉम्पैक्ट एम्बुलेंस खंड में प्रवेश

नई दिल्ली,

टाटा मोटर्स ने शुक्रवार को कहा कि उसने रोगियों के आवागमन के लिए एक एम्बुलेंस पेश की है, जिसे विशेष रूप से सस्ते एम्बुलेंस खंड में स्वास्थ्य देखभाल गतिशीलता के लिए डिजाइन किया गया है। टाटा मोटर्स ने एक बयान में कहा कि इस मैजिक एक्सप्रेस एम्बुलेंस को चिकित्सा और स्वास्थ्य संबंधी सेवाओं के हिसाब से डिजाइन किया गया है, जिसका विशेष रूप से कोविड-19 महामारी के दौरान खास महत्व है। बयान में कहा गया है कि वाहन के छोटे आकार के कारण भारतीय सड़कों पर यह आसानी से अपनी गतिशीलता को बनाये रखने में सक्षम है, जिसके चलते उन मरीजों की तेज गति से सेवा मिल सकती है, जिन्हें आपातकालीन देखभाल की जरूरत है, और इस प्रकार ऐसे मरीजों की जान बचायी जा सकती है। टाटा मोटर्स के उपाध्यक्ष, उत्पाद श्रृंखला (एससीवी और पीयू) विनय पाठक ने कहा, ÷मैजिक एक्सप्रेस एम्बुलेंस की शुरुआत के साथ, टाटा मोटर्स सबसे अच्छी हेल्थकेयर गतिशीलता समाधान प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करता है। टाटा मोटर्स ने इस क्षेत्र की जरूरतों को समझने के लिए चिकित्सीय बिरादरी के साथ मिलकर काम किया है, और हमने उन्हीं जरुरतों के अनुरूप वाहन तैयार किये हैं, जो रोगियों के आवागमन के लिए और उसकी देखरेख के लिए जरुरी सभी सामग्रियों से लैस है।' मैजिक एक्सप्रेस एम्बुलेंस में ऑटो लोडिंग स्ट्रेचर, मेडिकल कैबिनेट, ऑक्सीजन सिलेंडर के लिए प्रावधान, डॉक्टर की सीट और आग बुझाने के उपकरण के साथ-साथ आंतरिक प्रकाश, अग्नि प्रतिरोधी अंदरूनी डिजाइन है, और इसमें घोषणा प्रणाली के लिए आवश्यक उपकरण भी लगे हैं। पांच सीटों वाली ये गाड़ी 800 सीसी की इंजन क्षमता द्वारा संचालित है।

माइक्रोमैक्स के इन मोबाइल्स ने किफायती स्मार्टफोन लॉन्च किया

नई दिल्ली।

घरेलू स्मार्टफोन ब्रांड माइक्रोमैक्स के इन मोबाइल्स ने शुक्रवार को एक नया किफायती स्मार्टफोन इन1 लॉन्च किया, जो दो स्टोरेज वेरिएंट में पेश किया गया है। इस स्मार्टफोन का 4 जीबी प्लस 64 जीबी वाला वैरिएंट 9,999 रुपये में उपलब्ध होगा, जबकि 6 जीबी प्लस 128 जीबी वैरिएंट की कीमत 11,499 रुपये निर्धारित की गई है। यह स्मार्टफोन बैगनी और नीले रंग की शेड्स के साथ उपलब्ध होंगे। माइक्रोमैक्स इंडिया के सह-संस्थापक राहुल शर्मा ने एक बयान में कहा, इन1 भारतीय सिनेमा से प्रेरित है और यह एक सुपरहिट फिल्म की तरह है। हमने आपको एक सहज, सुरक्षित और आनंदमय अनुभव देने के लिए बेस्ट-इन-क्लास तकनीक और बेहतरीन सुविधाओं को शामिल करने की कोशिश की है। इन1 6.67 इंच की फुल एचडी प्लस पंच होल डिस्प्ले के साथ पेश किया गया है। यह 48 मेगापिक्सल प्राइमरी सेंसर, 2 मेगापिक्सल डेप्थ सेंसर और 2 मेगापिक्सल मैक्रो सेंसर के साथ ट्रिपल रियर कैमरा सेटअप को सपोर्ट करता है। इसमें हाई पिक्सल डेनसिटी के साथ एक 8 मेगापिक्सल का सेल्फी कैमरा भी दिया गया है। यह स्मार्टफोन मीडियाटेक हेलियो जी80 द्वारा आर्म कोर्टेक्स-ए 75 और ए55 सीपीयू के मिश्रण से संचालित है। इसकी इंटरनल स्टोरेज को 256 जीबी तक बढ़ाया जा सकता है। इसमें 5000 एमएएच की बैटरी दी गई है। शर्मा ने कहा, प्रोसेसर से लेकर डिस्प्ले, कैमरा और बैटरी तक, हमने इसे एक असल ब्लॉकबस्टर बनाने के लिए सभी प्रमुख विशेषताओं को शामिल करने को लेकर कड़ी मेहनत की है। यह स्मार्टफोन 26 मार्च की दोपहर 12 बजे से माइक्रोमैक्स डॉट कॉम और फ्लिपकार्ट पर बिक्री के लिए उपलब्ध होगा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

क्रिस गेल ने भी कोविड-19 वैक्सीन देने के लिए किया भारत का शुक्रिया

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के क्रिकेटर क्रिस गेल ने कैरेबियाई दशों के महान क्रिकेटरों की तरह कोविड-19 वैक्सीन देने के लिए भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का शुक्रिया अदा किया। गेल ने भारत और प्रधानमंत्री मोदी का धन्यवाद करते हुए एक संदेश साझा किया और भारतीय उच्चायुक्त से अपना आभार व्यक्त करने को कहा। कैरेबियाई देशों में भारत के उच्चायुक्त ने भी अपने ट्विटर अकाउंट पर उनका संदेश साझा किए। इसके अनुसार- उन्होंने (गेल) कोविड-19 वैक्सीन जमैका को भेंट करने के लिए शुक्रिया अदा किया और साथ ही साझा किया कि उन्हें भारत में आना पसंद है। इससे पहले वेस्टइंडीज के महान क्रिकेटर विव रिचर्ड्स, रिची रिचर्डसन और जिम्मी एडम्स ने भारत सरकार की वैक्सीन देने के लिए प्रशंसा की थी।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में जीत से शुरुआत करने उतरेगी भारतीय महिला टीम

लखनऊ

हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय महिला क्रिकेट टीम शनिवार से यहां शुरू हो रही तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जीत से शुरुआत करने उतरेगी। इससे पहले भारतीय महिला टीम को एकदिवसीय सीरीज में हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में उसका लक्ष्य इस सीरीज को जीतकर हिसाब बराबर करना रहेगा। भारतीय महिला टीम एकदिवसीय सीरीज में एक इकाई के तौर पर प्रदर्शन नहीं कर पायी थी। वहीं दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीकी टीम के खिलाड़ियों के प्रदर्शन में निरंतरता थी। भारतीय टीम सीरीज में करीबी मुकाबलों में हारी है। भारतीय टीम ने तीसरे और चौथे वनडे में प्रतिस्पर्धी स्कोर बनाया लेकिन पहले और पांचवें एकदिवसीय में उसके बल्लेबाज रन नहीं बना पाये थे। मिताली राज, हरमनप्रीत कौर , पूनम राउत का प्रदर्शन अच्छा रहा जबकि स्मृति मंधाना केवल एक मैच में ही रन बना पायी। जेमिमा रोड्रिग्स रन बनाने में विफल रही। भारत को उम्मीद रहेगी कि कप्तानी में बदलाव से उसका भाग्य भी बदलेगा। हरमनप्रीत आगे बढ़कर नेतृत्व करना चाहेगी। उन्होंने एकदिवसीय श्रृंखला में 160 रन बनाये और वह अच्छी लय में दिख रही है। वहीं हरलीन देओल और ऋचा घोष मध्यक्रम में अवसरों का लाभ उठाने का प्रयास कोशिश करेंगी। भारतीय टीम की गेंदबाजी की कमार अनुभवी झूलन गोस्वामी पर निर्भर रहेगीही। स्पिनरों में राजेश्वरी गायकवाड़ के अलावा पूनम यादव और स्पिन आलराउंडर दीप्ति शर्मा को भी बेहतर प्रदर्शन करना होगा। तेज गेंदबाजी में झूलन के अलावा अरुंधति रेड्डी और मानसी जोशी पर जिम्मेदारी रहेगी। वहीं दूसरी ओर एकदिवसीय सीरीज में जीत से उत्साहित दक्षिण अफ्रीकी टीम बढ़े हुए मनोबल से उतरेगी। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज दोनो ही लय में है जिसका लाभ उसे मिलेगा। सलामी बल्लेबाज लिजेल ली भी बेहतर प्रदर्शन के सिलसिले को बरकरार रखना चाहेंगी। इसके अलावा मिगनॉन डु प्रीज ओर लौरा वॉलवार्ट भी अच्छे फार्म में हैं। वहीं दक्षिण अफ्रीका के पास शबनीम इस्माइल और टुमी सेखुखुने, मारिजान कैप और नाडिन डि क्लर्क जैसी अच्छी गेंदबाज भी हैं। ऐसे में उसका पलड़ा भारी नजर आता है।

कमलप्रीत कौर ने 9 साल पुराने नेशनल रिकॉर्ड को तोड़कर हासिल किया ओलंपिक कोटा

स्पोर्ट्स डेस्क।

कमलप्रीत कौर ने शुक्रवार को एथलेटिक्स फेडरेशन कप के दौरान 65.06 मीटर के राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ महिलाओं की डिस्कस थ्रो स्पर्धा में टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया। ओलंपिक योग्यता बेंचमार्क 63.5 मीटर है। ओलंपिक कोटा हासिल करने के साथ ही कमलप्रीत ने नेशनल रिकॉर्ड भी तोड़ दिया है। डिस्कस थ्रो में नेशनल रिकॉर्ड 64.76 था जिसे कृष्णा पूनिया ने साल 2012 में बनाया था। यह पहली बार है जब किसी भारतीय द्वारा महिला डिस्कस थ्रो में 65 मीटर का निशान लगाया गया है। भारतीय ओलंपिक प्राधिकरण ने कमलप्रीत को ओलंपिक कोटा हासिल करने पर बधाई देते हुए ट्विटर पर लिखा, कमलप्रीत कौर को बहुत-बहुत बधाई जिन्होंने 65.06 मीटर के राष्ट्रीय रिकॉर्ड को तोड़ने के साथ महिलाओं के डिस्कस थ्रो में टोक्यो 2020 के लिए योग्यता हासिल की। एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एएफआई) को ट्वीट किया, टोक्यो 2020 का रास्ता। कमलप्रीत कौर ने 65.06 मीटर (ओलंपिक योग्यता मानक 63.50 मीटर) के साथ महिलाओं के डिस्कस नेशनल रिकॉर्ड को तोड़ दिया। पिछला एनआर- कृष्णा पूनिया 64.76 मीटर (2012)। टोक्यो ओलंपिक कोरोना वायरल की वजह से साल 2020 में स्थगित कर दिया गया था और अब यह 23 जुलाई से 8 अगस्त तक होगा।

टेनिस : श्रीराम और दिशा बने अंडर-16 टैलेंट सीरीज के चैंपियन

बेंगलुरू। वैभव कृष्णा श्रीराम और दिशा संतोष खांडोजी क्रमश- लड़कों और लड़कियों के अंडर-16 वर्ग के फाइनल मुकाबले जीत एआईटीए टेलेंट सीरीज-7 के चैंपियन बन गए हैं। छठी सीड श्रीराम ने फाइनल मुकाबले में चौथी सीड सुचिर चेतन शेशाद्री को हराया, जबकि दिशा ने तीसरी सीड काजल रामीसेट्टी को हराकर अपना पहला अंडर-16 का खिताब जीता। लड़कों के एकल वर्ग में श्रीराम ने शेशाद्री को 6-3, 5-7, 6-2 से हराया। श्रीराम ने अपना सेट आसानी से जीता जबकि दूसरे सेट में वर शेशाद्री से पिछड़ गए। लेकिन श्रीराम ने तीसरा सेट अपने नाम कर जीत हासिल कर ली। लड़कियों के एकल वर्ग में दिशा ने काजल को लगातार सेटों में 6-4, 6-4 से पराजित कर खिताब जीता।

अहमदाबाद टी20

सीरीज पर कब्जा करने उतरेगा भारत

अहमदाबाद.

भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ शनिवार को यहां नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होने वाले पांचवें टी20 मुकाबले को जीतकर सीरीज पर कब्जा करने उतरेगी। भारत को पहले मुकाबले में हार मिली थी जबकि दूसरे मैच में उसने इंग्लैंड को पराजित किया था। तीसरे मैच में इंग्लैंड ने जीत हासिल कर बढ़त ली तो वहीं भारत ने चौथा मुकाबला जीत सीरीज 2-2 से बराबर कर दी थी। इस सीरीज में पहले तीन मैच लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम ने जीते थे। लेकिन चौथे मुकाबले में टीम इंडिया लक्ष्य का बचाव करने में सफल रही और इंग्लैंड को हार का सामना करना पड़ा। इस मैच में सूर्यकुमार यादव ने अर्धशतक जड़ा था। भारत ने इस सीरीज में जो दो मुकाबले जीते उनमे मुंबई इंडियंस के बल्लेबाजों का बड़ा योगदान रहा। ईशान किशन ने दूसरे मैच में बेहतरीन पारी खेल टीम की जीत में अहम भूमिका अदा की थी। चौथे टी20 की पिच में तीसरे मैच की तुलना में तेजी कम थी और पांचवें तथा अंतिम टी20 मैच में भी इसी समान पिच होने की संभावना है। भारतीय कप्तान विराट कोहल ने भी चौथे मैच के पिच की सराहना करते हुए कहा था कि पिच अन्य किसी मुकाबले से बेहतर थी। भारत ने जो दो मुकाबले जीते थे उनमें तेज गेंदबाजों ने बड़ी भूमिका निभाई। भुवनेश्वर कुमार, हार्दिक पांड्या और शार्दुल ठाकुर के खिलाफ इंग्लिश बल्लेबाज रन बनाने के लिए संघर्ष करते नजर आए। दूसरे टी20 में भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण ने इंग्लैंड को संतोषजनक स्कोर पर रोका तथा चौथे टी20 में जब बेन स्टोक्स बड़े शॉट लगा रहे थे तो भारत का तेज आक्रमण ने एक बार फिर उसे मैच में वापसी कराई। इंग्लैंड के लिए सीरीज में महत्वपूर्ण बात यह रही कि उसने जो दो मुकाबले जीते उनमे भारत के शीर्ष क्रम को उसने जल्दी निपटाया। हालांकि उसके गेंदबाज ईशान और सूर्यकुमार की चुनौती ने ज्यादा पार नहीं पा सके। भारत के लिए सलामी बल्लेबाज लोकेश राहुल की फॉर्म चिंता का विषय है जो सीरीज के चार मुकाबलों में अपना जलवा बिखेरने में नाकाम रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

त्वेसा ने हीरो डब्ल्यूपीजीटी का छठा चरण जीता

जयपुर । भारतीय गोल्फर त्वेसा मलिक ने शुक्रवार को यहां रामबाग गोल्फ क्लब में हीरो महिला प्रो गोल्फ टूर (डब्ल्यूपीजीटी) के छठे चरण का खिताब जीत लिया और 18 महीने के खिताब के सूखे को खत्म किया। गुड़गांव की गोल्फर अंतिम दौर से पहले तीन शॉट की बढ़त बनाये थी और उन्होंने इसमें दो ओवर 72 का कार्ड खेला जिससे उनका कुल स्कोर एक अंडर 209 रहा और वह खिताब जीतने में सफल रहीं। जाह्नवी बख्शी ने त्वेसा को कड़ी चुनौती दी और उन्होंने एक ओवर 71 का कार्ड खेला जिससे वह एक ओवर 211 से दूसरे स्थान पर रहीं। त्वेसा ने पिछला खिताब सितंबर 2019 में जीता था जबकि जाह्नवी ने पिछले हफ्ते ट्राफी हासिल की थी।

अपने देश का प्रतिनिधित्व करना गर्व की बात : क्रुणाल

नई दिल्ली। आलराउंडर क्रुणाल पांडया ने कहा है कि एक बार फिर से अपने देश का प्रतिनिधित्व करने का मौका पाना, उनके लिए गर्व की बात है। क्रुणाल को 23 मार्च से इंग्लैंड के साथ होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए पहली बार भारत की वनडे टीम में शामिल किया गया है। उनके अलावा प्रसिद्ध कृष्णा और बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को भी पहली बार भारत की वनडे टीम में चुना गया है। क्रुणाल ने टिवटर पर लिखा, बेहद सम्मानित महसूस कर रहा हूं और आभारी हूं कि एक बार फिर से मुझे अपने देश का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला है। भारत को इंग्लैंड के साथ 23 से 28 मार्च तक तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलनी है। सीरीज के तीनों मैच पुणे स्थित महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेले जाने है। दोनों टीमें फिलहाल अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में पांच मैचों की टी20 सीरीज खेल रही है। उनके अलावा तेज गेंदबाज एम प्रसिद्ध कृष्णा को भी इंग्लैंड के साथ होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए पहली बार भारतीय टीम में चुना गया है। कृष्णा ने टिवटर पर कहा, जब आप अपने देश के लिए खेलने के लिए पहली बार चुने जाने तो यह सपना लगता है। यह एक सपने के सच होने जैसा है। मैं अपनी भूमिका निभाने और टीम की सफलता में योगदान देने को लेकर उत्साहित हूं। बीसीसीआई का धन्यवाद। शुरू करने के लिए अब और इंतजार नहीं कर सकता।

बांग्लादेश के खिलाफ युवा खिलाड़ी मौके का फायदा उठाएंगे : लाथम

डुनेडिन.

बांग्लादेश के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज से पहले न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लाथम को उम्मीद है कि टीम के युवा खिलाड़ी इस सीरीज में मिले मौके का फायदा उठाएंगे। बांग्लादेश के खिलाफ इस सीरीज के लिए न्यूजीलैंड की टीम नियमित कप्तान केन विलयम्सन और अनुभवी बल्लेबाज रॉस टेलर के बिना खेलने उतरेगी। लाथम ने पहले वनडे की पूर्वसंध्या पर कहा, इस टीम के लिए अच्छा अवसर है। टीम में कुछ नए चेहरे भी शामिल हैं। हमने इस साल टेस्ट और सीमित ओवरों की सीरीज में अच्छा क्रिकेट खेला है और मुझे उम्मीद है कि टीम इस प्रदर्शन को आगे भी जारी रखेगी। बल्लेबाज विल यंग और तेज गेंदबाज डेरिल मिशेल वनडे में पदार्पण कर सकते हैं। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल ही में हुई टी20 सीरीज में अपने पहले मुकाबले में नाबाद 99 रन बनाने वाले डेवॉन कॉनवे पर एक बार फिर नजरें होंगी। लाथम ने कहा, पिछले कुछ सत्रों में वेलिंगटन के लिए खेलते हुए कॉनवे ने काफी रन बनाए हैं। टी20 में वह काफी उपयोगी साबित हो सकते हैं। वह टेस्ट टीम में भी हैं और बांग्लादेश के खिलाफ वह मौके का फायदा उठाएंगे। मुझे यकीन है कि पिछले कुछ वर्षों में वह जिस फॉर्म में खेले हैं उसे आगे जारी रखेंगे।

स्मृति मंधाना का खुलासा- चोटिल हैं कप्तान हरमनप्रीत, नहीं लेंगी पहले मैच में हिस्सा

लखनऊ ।

भारतीय टीम की उप कप्तान स्मृति मंधाना ने कहा कि कप्तान हरमनप्रीत कौर चोट के कारण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की श्रृंखला के शुरूआती महिला टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में नहीं खेल पाएंगी। हरमनप्रीत को बुधवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांचवें वनडे में बल्लेबाजी करते हुए चोटिल (हिप-फ्लेक्सर इंजरी) हो गई थी। श्रृंखला का शुरूआती मैच शनिवार को खेला जाएगा। मंधाना ने मैच से पूर्व वर्चुअल प्रेस कांफ्रेंस में कहा- वह (हरमनप्रीत) कल के मैच में नहीं खेलेगी और उसकी स्थिति पर बाकी अपडेट मेडिकल टीम देगी। महिलाओं की वनडे श्रृंखला में भारत को दक्षिण अफ्रीका ने 4-1 से पराजित किया था। लेकिन मंधाना ने कहा कि वनडे श्रृंखला अब बीती बात हो गई क्योंकि अब उनका ध्यान टी-20 मुकाबलों पर लगा है। उन्होंने कहा- हम वनडे श्रृंखला को भूलने की कोशिश करेंगे और ध्यान टी-20 श्रृंखला पर लगाएंगे। हां, वनडे श्रृंखला निराशाजनक रही लेकिन हमें उसे भूलकर आगे बढना होगा। टीम में कुछ नए चेहरे आए हैं इसलिए हमें तरोताजा होकर सोचने की जरूरत है। उन्होंने कहा- हमने अपनी तैयारियों के बारे में चर्चा की है कि वनडे श्रृंखला में क्या गलत हुआ और आगे क्या किया जाए। हमें टी-20 पर ध्यान लगाने की जरूरत है। हम अब वनडे श्रृंखला को टी-20 श्रृंखला की तैयारी के तौर पर देख रहे हैं।

अनिर्बान लाहिड़ी ने दो ओवर का कार्ड खेला, कट से चूकने का खतरा

पाम बीच (फ्लोरिडा) :

भारतीय गोल्फर अनिर्बान लाहिड़ी ने यहां होंडा क्लासिक के पहले दौर में दो ओवर 72 का कार्ड खेला जिससे उन पर कट से चूकने का खतरा मंडरा रहा है। लाहिड़ी पिछली पांच शुरूआत में से चार में कट से चूक चुके हैं और उन्होंने शुरू में ही डबल बोगी कर डाली जिसके बाद वह इससे उबर नहीं सके। वह संयुक्त रूप से 82वें स्थान पर हैं और अगर उन्हें कट में जगह बनानी है तो उन्हें दूसरे दौर में मजबूत वापसी करनी होगी।

साथियान, सुतिर्था ने तोक्यो ओलंपिक का टिकट कटाया, शरत और मनिका ने भी किया क्वालीफाई

दोहा ।

भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी जी साथियान ने यहां एशियाई ओलंपिक खेल क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट में पाकिस्तान के मोहम्मद रमीज पर 4-0 की आसान जीत के साथ पहली बार ओलंपिक खेलों का टिकट हासिल किया। विश्व रैंकिंग में 38वें स्थान पर काबिज साथियान ने इससे पहले गुरूवार को रैंकिंग में 32वें स्थान पर काबिज शरत कमल को हराया था। शरत ने भी पाकिस्तान के खिलाड़ी रमीज पर जीत और विश्व रैंकिंग के आधार पर कोटा हासिल किया। विश्व रैंकिंग में 62वें स्थान पर काबिज मनिका बत्रा हमवतन सुतिर्था मुखर्जी से 2-4 से हार के बावजूद भी महिला एकल में ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर लेंगी। मनिका पर जीत के साथ ही सुतिर्था ने चार साल में एक बार होने वाले इन खेलों का टिकट हासिल कर लिया। मनिका के भी अपनी रैंकिंग के आधार पर क्वालीफाई करने की संभावना है। मनिका और शरत के तोक्यो जाने की पुष्टि अप्रैल में आईटीटीएफ अप्रैल में करेगा, जब सभी क्वालीफिकेशन प्रतियोगिताएं खत्म हो जाएंगी।

हाल ही में पहली बार राष्ट्रीय खिताब जीतने वाले साथियान ने रमीज को 11-5, 11-8, 11-9, 11-2 से हराकर दक्षिण एशिया वर्ग का कोटा हासिल किया। उन्होंने कहा- यह एक अनमोल क्षण है और इसे बयां करने के लिए मेरे पास शब्द नहीं है। ओलंपिक में भाग लेना मेरा बचपन का सपना रहा है और यह निश्चित रूप से मेरे जीवन के सबसे अच्छे पलों में से एक है। साथियान ने कहा- अब जब मैंने क्वालीफाई कर लिया है, तो मैं तोक्यो में बेहतर प्रदर्शन करने और अपनी पहचान बनाने के लिए उत्सुक हूं। सुतिर्था ने दक्षिण एशिया वर्ग के महिला एकल में राष्ट्रमंडल खेलों 2018 की स्वर्ण पदक विजेता मनिका को 7-11, 11-7, 11-4, 4-11, 11-5, 11-4 से हराया।

टीम में चयन होने पर बोले कृष्णा, सपना सच होने जैसा है

नई दिल्ली। पहली बार भारतीय क्रिकेट टीम में चुने गए तेज गेंदबाज एम प्रसिद्ध कृष्णा ने कहा है कि उनके लिए यह सपना सच होने जैसा है। कृष्णा, बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव और आल क्रुणाल पंडया को पहली बार भारत की वनडे टीम में शामिल किया गया है। इन तीनों को इंग्लैंड के साथ होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम में चुना गया है। कृष्णा ने ट्वीटर पर कहा, जब आप अपने देश के लिए खेलने के लिए पहली बार चुने जाने तो यह सपना लगता है। यह एक सपने के सच होने जैसा है। मैं अपनी भूमिका निभाने और टीम की सफलता में योगदान देने को लेकर उत्साहित हूं। बीसीसीआई का धन्यवाद। शुरू करने के लिए अब और इंतजार नहीं कर सकता। 25 साल के कृष्णा घरेलू क्रिकेट में कर्नाटक के लिए खेलते हैं। उन्होंने हाल ही में विजय हजार ट्रॉफी और मुश्ताक अली ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन किया था। कृष्णा आईपीएल में कोलकाता नाइटराइडर्स के लिए खेलते हैं। भारत को इंग्लैंड के साथ 23 से 28 मार्च तक तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलनी है। सीरीज के तीनों मैच अहमदाबाद के मोटेरा स्थित नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाना है। दोनों टीमें फिलहाल इसी स्टेडियम में पांच मैचों की टी20 सीरीज खेल रही है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

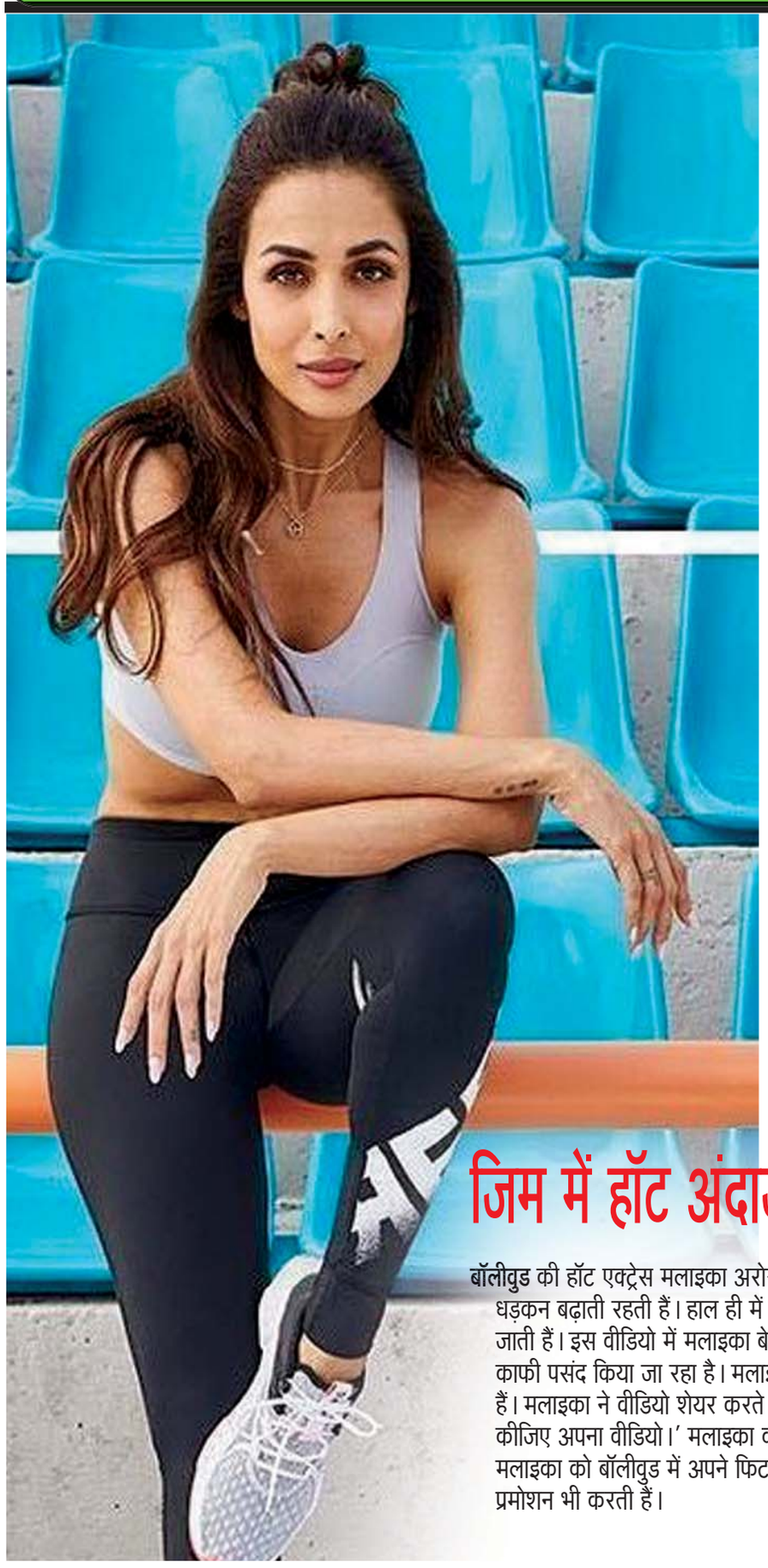

महेश बाबू संग पर्दे पर रोमांस करेंगी जाह्नवी कपूर

बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर फिल्म इंडस्ट्री में अपनी एक अलग पहचान बना रही हैं। हाल ही में उनकी फिल्म 'रूही' रिलीज हुई है, जिसमें उनकी एक्टींग की जमकर तारीफ की जा रही है। वहीं अब खबर आ रही है कि जाह्नवी जल्द ही पर्दे पर साउथ सुपरस्टार महेश बाबू के साथ नजर आ सकती हैं। बताया जा रहा है कि इस फिल्म से महेश बाबू बॉलीवुड में कदम रख सकते हैं। वहीं इस प्रोजेक्ट के निर्माता करण जौहर हैं। उन्होंने इसकी तैयारी शुरू कर दी है। खबरों के अनुसार इस बहुप्रतीक्षित प्रोजेक्ट के लिए करण जौहर एक यंग डायरेक्टर की तलाश कर रहे हैं। फिल्म की शूटिंग जल्दी से जल्दी पूरी करने की भी तैयारी की जा रही है। मेकर्स इस फिल्म की शूटिंग महज 60 दिनों के अंदर पूरी कर देना चाहते हैं। करण जौहर की फिल्म 'धड़क' से ही जाह्नवी ने बॉलीवुड डेब्यू किया था। इसके बाद उन्हें करण की हॉरर फिल्म 'घोस्ट स्टोरीज' में देखा गया। फिर करण, जाह्नवी के साथ फिल्म 'गुंजन सक्सेना: द कारगिल गर्ल' लेकर आए। बता दें कि महेश बाबू के पिता कृष्णा और जाह्नवी कपूर की मां श्रीदेवी ने साथ में कई सुपरहिट फिल्में दी हैं। फैंस को दोनों की जोड़ी और केमिस्ट्री बहुत पसंद आती थी। अब फैंस को महेश बाबू और जाह्नवी से भी वही उम्मीदें हैं।

जिम में हॉट अंदाज में डांस करती नजर आईं मलाइका अरोरा

बॉलीवुड की हॉट एक्ट्रेस मलाइका अरोरा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह अपनी हॉट तस्वीरों और वीडियो से फैंस के दिल की धड़कन बढ़ाती रहती हैं। हाल ही में मलाइका का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वो जिम में वर्कआउट करते हुए डांस करने लग जाती हैं। इस वीडियो में मलाइका बेहद हॉट अंदाज में कमर मटकाती हुई नजर आ रही हैं। सोशल मीडिया पर उनके इस वीडियो को काफी पसंद किया जा रहा है। मलाइका वीडियो में शॉर्ट पेंट्स और स्पोर्ट्स ब्रा पहनी हुई हॉट स्टाइल में डांस करती हुई नजर आ रही हैं। मलाइका ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा, 'वीकएंड पर मैं ये मस्ती भरा डांस कर रही हूं। देखें आप क्या करते हैं। शेयर कीजिए अपना वीडियो।' मलाइका की गिनती कुछ ऐसी एक्ट्रेसेस में होती हैं जो अपनी फिटनेस को लेकर काफी कॉन्सियस हैं। मलाइका को बॉलीवुड में अपने फिटनेस और हॉट पर्सनालिटी के लिए भी जाना जाता है। इसी के चलते वो कई सारे ब्रैंड्स का प्रमोशन भी करती हैं।

पर्दे पर फिर दिखेगी दीपिका पादुकोण और अमिताभ बच्चन की जोड़ी

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण जल्द ही फिल्म 'द इंटर्न' में नजर आने वाली हैं। यह फिल्म हॉलीवुड मूवी 'द इंटर्न' का हिन्दी रीमेक होगी। इस फिल्म में दीपिका के अलावा दिवंगत एक्टर ऋषि कपूर को साइन किया गया था। ऋषि कपूर के निधन के बाद इस फिल्म पर ब्रेक लग गया। ऋषि फिल्म का एक अहम हिस्सा थे, जिनके बिना फिल्म की शूटिंग होना नामुमिक था। अब खबर आ रही है ?मेकर्स ने फिल्म पर काम शुरू कर दिया है और फिल्म में ऋषि कपूर की जगह सदी के महानायक अमिताभ बच्चन को साइन किया गया है। खबरों के मुताबिक फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने बताया, ऋषि कपूर के निधन के बाद द इंटर्न की हिन्दी रीमेक पर बड़ा ब्रेक लग गया था। इसका साफ मतलब यही था कि कास्ट का एक अहम सदस्य कम हो गया है और मेकर्स को नई कास्ट के बारे में विचार करना होगा। इसमें थोड़ा समय लगा लेकिन मेकर्स ने अब फिल्म के लिए अमिताभ बच्चन को साइन कर लिया है और जल्द ही फिल्म की शूटिंग शुरू करने के बारे में विचार कर रहे हैं। फिल्म पीकू की अपार सफलता के बाद एक बार फिर से द इंटर्न में फैंस दीपिका पादुकोण और अमिताभ बच्चन को साथ देखेंगे। बीते दिनों दीपिका ने कहा था कि द इंटर्न एक खूबसूरत रिलेशनशिप की कहानी है. फिल्म एक लाइट ड्रामा कॉमेडी है। वर्क फ्रंट की बात करें तो दीपिका पादुकोण जल्द ही फिल्म 83 में रणवीर कपूर के साथ नजर आने वाली हैं। इसके अलावा वह शकुन बत्रा की फिल्म में भी दिखेंगी। वहीं अमिताभ बच्चन फिल्म, चेहरे, झुंड और ब्रह्मास्त्र में नजर आने वाले हैं।

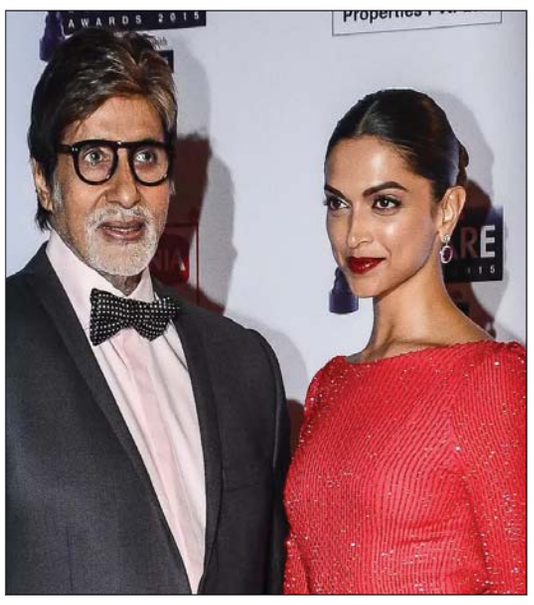

आलिया भट्ट की मां सोनी राजदान बोलीं- एक्टर्स मास्क नहीं पहन सकते इसलिए उन्हें...

देश में कोरोनावायरस का प्रकोप एक बार फिर बढ़ गया है। कई बॉलीवुड और टीवी सेलेब्स भी इस महामारी की चपेट में आ रहे हैं। वहीं कोरोनावायरस से लड़ने के लिए सरकार ने वैक्सीनेशन को और तेज कर दिया है। इसी बीच आलिया भट्ट की मां और एक्ट्रेस सोनी राजदान ने कोरोना वैक्सीन को लेकर अपनी बात कही है। दरअसल, सोनी राजदान ने बिजनेसमैन सुहैल सेठ की उस पोस्ट पर रिप्लाई करते हुए अपनी बात कही, जिसमें सेठ ने लिखा कि भगवान की खातिर सभी का वैक्सीनेशन करवाइए। जिसको भी वैक्सिनेशन करवाना हो, उसे यह टीका लगाया जाए। सुहैल सेठ की पोस्ट पर रिप्लाई करते हुए सोनी राजदान ने लिखा- सरकार को शीघ्र प्रभाव से कलाकारों को वैक्सीन लगवानी चाहिए, क्योंकि कलाकार मास्क नहीं पहन सकते। सोनी राजदान ने कहा- ये काम नहीं एक पेशा है। लोगों को सही काम करने की जरूरत है। दूसरे लोग अपनी सुरक्षा कर सकते हैं, लेकिन केवल कलाकार हैं जो अपनी सुरक्षा नहीं कर सकते। सोनी राजदान ने एक और ट्वीट में लिखा- हर एक्टर बड़ा सुपरस्टार नहीं होता है, इसलिए जो लोग शिकायत कर रहे हैं, उन्हें अपना मुंह बंद रखना चाहिए। ऐसे लोगों को कंटेंट देखना बंद कर देना चाहिए। ये एक्टर्स की जिंदगी को खतरे में डालकर बनता है और वो हमेशा जोखिम में रहते हैं। बता दें कि सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद सोनी राजदान की बेटी आलिया भट्ट नेपोटिज्म के लिए जमकर ट्रोल की गई थीं। इस पर सोनी राजदान ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कमेंट्स सेक्शन ऑफ कर दिया था। सोनी राजदान ने कमेंट सेक्शन बंद करते हुए कहा कि जब नफरत करने वालों को कोई दूसरा निशाना मिल जाएगा तब वो अपना कमेंट सेक्शन ऑन कर देंगी।

कियारा आडवाणी कर रही हैं सिद्धार्थ मल्होत्रा को डेट

रिलेशनशिप पर की खुलकर बात

बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी का नाम कई बार सिद्धार्थ मल्होत्रा संग जोड़ा जा चुका है। दोनों को साथ में लंच और डिनर डेट पर भी स्पॉट किया गया है। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान कियारा आडवाणी ने अपने रिलेशनशिप स्टेटस पर खुलकर बात की। फिल्मफेयर संग बातचीत में जब कियारा आडवाणी से सिद्धार्थ मल्होत्रा को डेट करने को लेकर पूछा गया तो एक्ट्रेस इस सवाल पर चुप रहीं। इसके बाद जब उनसे पूछा गया कि आखिरी बार वह कब डेट पर किसी के साथ गई थीं तो इस पर उनका जवाब सुनकर फैन्स को शॉक लगा। कियारा आडवाणी ने कहा, 'आखिरी बार मैं जब डेट पर गई थी तो वह इसी साल थी। इस साल के दो महीने पहले ही मैं डेट पर गई हूं। तो मुझे लगता है कि आप लोग मैथ कर चुके होंगे या आइडिया लगा चुके होंगे मैं किसकी बात कर रही हूं। मालूम हो कि हाल ही में कियारा आडवाणी ने एक तस्वीर में वह लैक और दूसरे में वाइट आउटफिट पहने हैं। दोनों ही फोटोज में वह कमाल दिख रही हैं। तस्वीर को 1 घंटे के अंदर 6 लाख से ज्यादा लाइस मिल चुके हैं। यह फोटोज फिल्मफेयर कवर शूट की हैं। कियारा आडवाणी के वर्क फ्रंट पर बात करें तो वह 'शेरशाह', 'भूल भुलैया 2', 'जुग जुग जीयो' जैसी फिल्मों में नजर आएंगी। 'शेरशाह' परमवीर चक्र विजेता कैप्टन विक्रम बत्रा की जिंदगी पर आधारित है। फिल्म में कियारा के साथ सिद्धार्थ मल्होत्रा नजर आएंगे। फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है। फिल्म 3 जुलाई 2020 में रिलीज होनी थी, लेकिन कोरोना की वजह से इसकी रिलीज टल गई। फिल्म अब 2 जुलाई 2021 को सिनेमाघरों में दिखाई जाएगी।

पिता को याद कर भावुक हुईं ऐश्वर्या राय

बॉलीवुड एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय ने अपने पिता कृष्णाराज राय को उनकी पुण्यतिथि पर याद किया है। पिता की पुण्यतिथि पर एक्ट्रेस ने एक पोस्ट शेयर की। इसके साथ ही ऐश्वर्या ने एक इमोशनल नोट भी लिखा है। एक्ट्रेस अपने पिता के बेहद करीब थीं। पोस्ट के साथ ही उन्होंने मां-पापा और बेटी के साथ तस्वीर शेयर की। परिवार के साथ तस्वीर शेयर करने के साथ ही उन्होंने लिखा था कि 'हम आपसे बेहद प्यार करते हैं। हमेशा और उसके आगे भी।' ऐश्वर्या राय ने पिता कृष्णाराज राय की तस्वीर भी शेयर की है, जिसमें उनकी तस्वीर पर फूल चढ़ाए गए हैं। दूसरी तस्वीर में ऐश्वर्या बेटी आराध्या और मां के साथ हैं। तीनों कृष्णाराज राय की तस्वीर के पास हैं और ऐश्वर्या सेल्फी ले रही हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

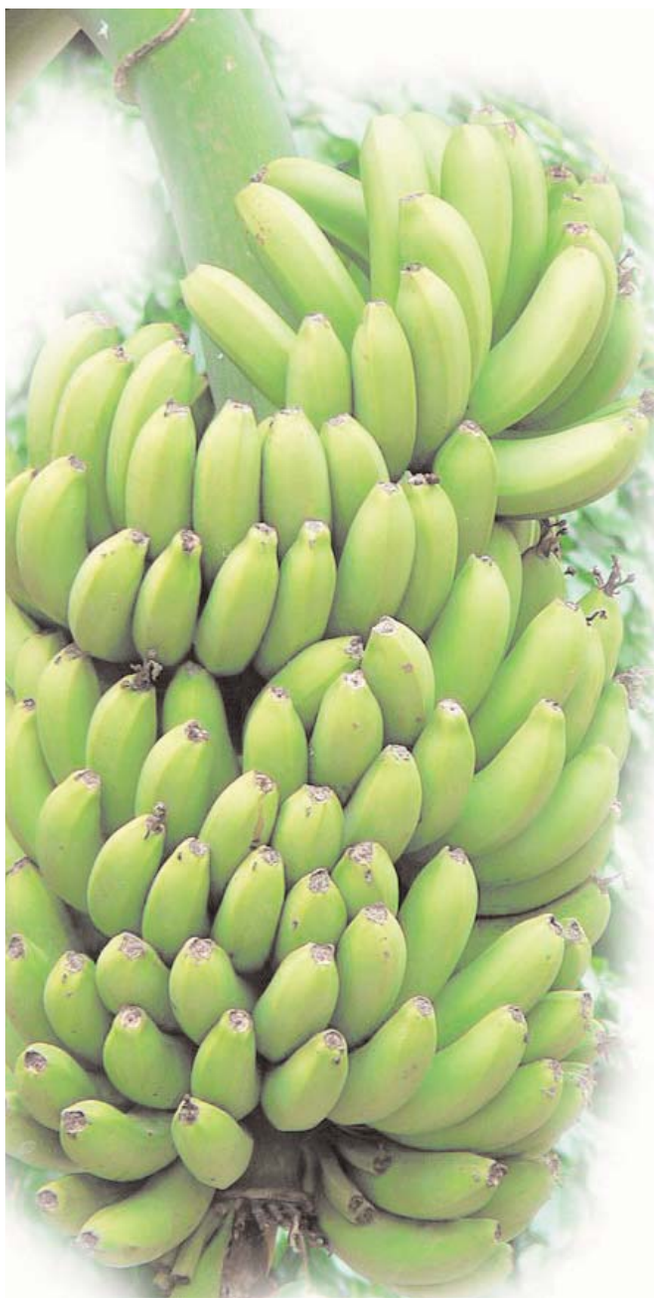

केले से आये बहार

(1) एच-1 (अग्निस्वार+पिसांग लिलिन)

यह लीफ स्पॉट फ्यूजेरियम बीमारी निरोधक कम अवधि वाली उपर्युक्त किस्म है. यह बरोइंग सूत्रकृमि के लिये अवरोधक है. इस संकर प्रजाति का पौधा मध्यम ऊंचाई 14-16 कि.ग्रा. का बंच होता है. फल लम्बे, पकने पर सुनहरे, पीले रंग के हो जाते हैं. हल्का खट्टा तथा मीठा खट्टी महक पकने पर आती है. यह किस्म जड़ी फसल के लिये उपयुक्त तीन वर्ष के फसल चक्र में चार फसलें ली जा सकती हैं.

रोपण सामग्री

केला रोपण हेतु तलवारनुमा आकार के अंत:भूस्तरीय जिनकी पत्तियां सकरी होती हैं. जिनको बीज के उपयोग में लाया जाता है. तीन माह पुराना सकर्स जिसका वजन 700 ग्राम से 1 कि.ग्रा. तक रोपण के लिये उपर्युक्त होते हैं.

भूमि की तैयारी एवं रोपण पद्धति

खेत की जुताई कर मिट्टी को भुर-भुरी बना लेना चाहिए जिससे भूमि का जल निकास उचित रहें तथा कार्बनिक खाद ह्यूमस के रूप में प्रचुर मात्रा में हो इसके लिये हरी खाद की फसल ले.

पौध अंतराल

कतार से कतार की दूरी 1.8 मीटर, पौधे से पौधे की दूरी 1.5 मीटर रखते है तथा पौधा रोपण के लिये 45345345 से.मी. आकार के गढ्डे खोदें प्रत्येक गढ्डे में 12-15 किग्रा. अच्छी पकी हुई गोबर या कम्पोस्ट खाद रोपण के पूर्व, साथ ही प्रत्येक गढ्डे में 5 ग्राम थीमेट दवा मिट्टी में मिला दें.

बीज उपचार

प्रकंदों को उपचार के पूर्व साफ करें तथा जड़ों को पृथक कर दें 1 प्रतिशत बोर्डो मिक्चर तैयार कर प्रकंदों को उपचारित करें इसके बाद 3-4 ग्राम बाविस्टीन प्रति लीटर पानी का घोल प्रकंदों को 5 मिनिट तक उपचार करें.

खाद एवं उर्वरक की मात्रा एवं देने की विधि- केले की फसल अपने पूरे जीवन चक्र में रोपण 5-7 माह के अंदर प्रति पौधा सिंगल सुपर फास्फेट 1500 ग्राम, यूरिया 470 ग्राम ओर म्यूरेट ऑफा पोटाश 500 ग्राम, कम्पोस्ट खाद 5 कि.ग्रा. प्रति पौधा के हिसाब से दें. कम्पोस्ट खाद एवं फास्फोरस की पूर्ण मात्रा पौधा लगाते समय यूरिया एवं पोटाश डेढ़ माह के अंतराल से छ: माह के अंदर चार बार में दें.

अंतरवर्तीय फसल

- मूग बहार :- इस फसल की रोपाई मई-जून महीने में की जाती है. जिसमें केले के साथ, मूंग, भिंडी, टमाटर, मिर्च, बैंगन इत्यादि फसलें ले सकते हैं.
- कांदा बहार- इस बहार के अंतर्गत आलू, प्याज, टमाटर, धनिया, बैंगन की फसलें ली जा सकती हैं.
- फसल में सस्य क्रियाएं :- केले की फसल में पौधों की जड़ों पर मिट्टी चढ़ाना आवश्यक है. क्योंकि केले की जड़े अधिक गहरी नहीं जाती हैं. इसलिये पौधों को सहारा देने के लिये मिट्टी चढ़ाना जरूरी है. कभी-कभी कंद बाहर आ जाते है. जिससे पौधे की वृद्धि रुक जाती है. इसलिये मिट्टी चढ़ाना जरूरी है.
- मल्चिंग- जमीन से जल वाष्पीकरण तथा खरपतवार द्वारा ह्रास होता है. तथा भूमि से पोषक तत्व भी खरपतवारों द्वारा लिये जाते है भूमि जल के वाष्पीकरण एवं खरपतवारों के नियंत्रण हेतु प्लास्टिक सीट पौधे की जड़ों के चारों ओर लगाने से उपरोक्त क्षति से बचाव हो जाता है. इसके अतिरिक्त गन्ने के छिलके, सूखी घास, सूखी पत्तियां एवं गुड़ाई करने से जल ह्रास कम हो जाता है. प्लास्टिक की काली पॉलीथिन की मल्चिंग करने पर उत्पादकता में वृद्धि होती है.
- अंत:भूस्तरी (सकर्स) निकालना:- जब तक केले के पौधे में पुष्प गुच्छ न निकल पाएं तब तक सकर्स को नियमित रूप से काटते रहे. पुष्पण जब पूर्ण हो जावे तो एक सकर्स को रखा जाए तथा शेष को काटते रहे. यह ध्यान रखें कि एक वर्ष की अवधि तक एक पौधे के साथ एक सकर्स को ही बढ़ने दिया जाए वह जड़ी (रेटून) की फसल के रूप में उत्पादन देगा, बंच के निचले स्थान में जो नर मादा भाग है इसे काटकर उसमें बोर्डोपेस्ट लगा दिया जाए.
- सहारा देना- जिन किस्मों में बंच का वजन काफी हो जाता है. तथा स्युडोस्टेंडम के टूटने की संभावना रहती है. इसे बल्ली का सहारा देना चाहिये, केले के पत्ते से उसके डंठल को ढक दिया जाये.

पौधों को काटना- केला बंच पुष्पण से 110 से 130 दिनों में काटने योग्य हो जाते हैं. बंच काटने के पश्चात पौधों को धीरे-धीरे काटें, क्योंकि इस क्रिया से मातृप्रकंद के पोषक तत्व जड़ी वाले पौधे को उपलब्ध होने लगते है. फलस्वरूप उत्पादन अच्छा होने की संभावना बढ़ जाती है.

जल प्रबंधन- केले की फसल को अधिक पानी की आवश्यकता होती है. केले के पत्ते बड़े-चौड़े होते हैं. एक पौधे के पत्तों का कुल क्षेत्रफल 50-60 वर्गमीटर होता है. इसलिए बड़े पैमाने पर पानी की वाष्पीकरण उत्सर्जन होने से केले को अधिक पानी की आवश्यकता होती है.

उन्नति का जरिया

अनानास

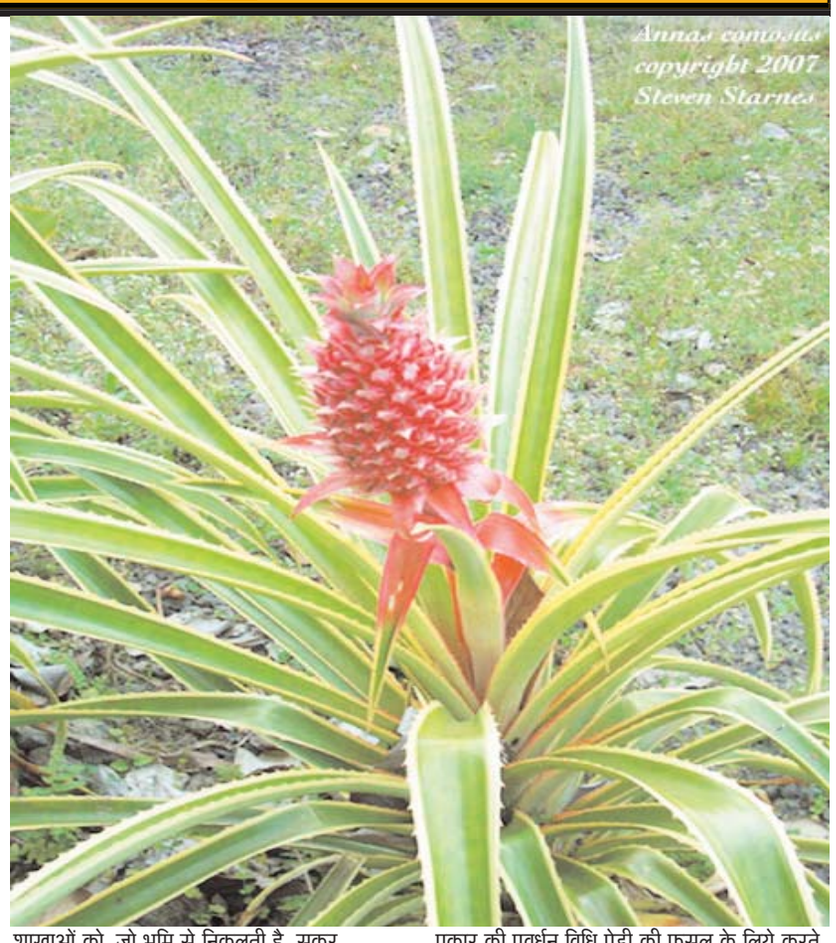

जलवायु

अनानास गर्म और आर्द्र जलवायु का फल है. समुद्र तटीय क्षेत्र फलों के बढ़वार के लिये अत्यंत लाभदायक होता है, क्योंकि तटीय क्षेत्रों का तापमान अत्यधिक नहीं होता है. अनानास उत्पादन के लिये 22 से 32 डिग्री से. तापमान सर्वोत्तम होता है। पत्तियों के बढ़वार से लिए 32 से. एवं जड़ों के बढ़वार के लिये 29 से.तापमान सर्वोत्तम होता है. 20 डिग्री सें.ग्रे से कम तथा 36 डिग्री सें. ग्रे.से अधिक तापमान में पत्तियाँ एवं जड़ों की बढ़वार रुक जाती है। मैदानी क्षेत्रों की तेज सूर्य किरणों से पौधों की पत्तियों को हानि होती है. छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश के कुछ स्थानों पर आम के बगीचों तथा केला के बगीचों में सफलतापूर्वक मैदानी क्षेत्रों में अनानास उगाया जा सकता है। 100-150 सेमी. वार्षिक वर्षा वाले क्षेत्र एवं समुद्र तल से 1100 मी. की ऊंचाई में अनानास का व्यापारिक उत्पादन सफलतापूर्वक किया जा सकता है. दुमट-बलुआर भूमि उत्तम होती है. पौधों की जड़ें 12-20 सेमी. गहराई तक जाती है, अर्थात् भूमि गहरी होना आवश्यक नहीं है. भूमि का जल निकास उचित होना चाहिए.पी.एच. मान 5-6 होना चाहिए.

किस्म

क्यू जायण्ट, क्यू, क्वीन, मॉरीसस, रेड स्पैनिश, सिंगापुर, स्पैनिश

देशी किस्म

जलधूप एवं लखाद ये किस्में असम क्षेत्र में उगाई जाती है. उगाई जाने वाले क्षेत्र के आधार पर इनका नामकरण किया गया है. दोनों किस्में क्वीन समूह में आते है, परंतु इसके फल आकार में छोटे होते हैं. लखाद स्वाद में हल्के खट्टे होते हैं, जबकि जलधूप मीठा होता है. जलधूप का फल एल्कोहलिक फ्लेवर (सुगंध) लिए हुए होता है। जो कि इस फ्लेवर के कारण क्वीन समूह में आसानी से पहचाना जा सकता है.

प्रवर्धन

सकर: पौधे के मूल-तंत्र से निकली हुई पत्तियों वाली शाखाओं को, जो भूमि से निकलती है, सकर कहलाता है. अनानास का प्रवर्धन सकर द्वारा ही अधिकांशत: किया जाता है. सकर का वजन 500 से 750 ग्राम उपयुक्त माना जाता है.

क्राउन: फल के ऊपर लगी हुई पत्तियों के झुंड को क्राउन कहते है. क्राउन को सीधे तैयार खेत में रोपित कर सकते हैं.

स्लिप

तने तथा फल के निचले भाग से एवं भूमि से निकली हुई पत्तीदार शाखाओं को स्लिप कहते हैं. 300 से 400 ग्राम वाली स्लिप का प्रयोग रोपण के लिये प्रयोग करना चाहिए. जिससे पौधे समान आकार के होते है.

स्टम्प

फल के डंठल तथा तना को स्टम्प कहते हैं. इस प्रकार की प्रवर्धन विधि पेड़ी की फसल के लिये करते है.

पौध रोपण

रोपण का समय- रोपण का समय प्राकृतिक बहार के लिये अत्यंत महत्वपूर्ण है.जो भिन्न-भिन्न स्थानों में भिन्न-भिन्न होता है. यदि रोपण सामग्री (प्रवर्धन सामग्री) में पर्याप्त कार्यकीय वृद्धि नहीं हुई है तो पौधों में या तो फूल देरी से आएंगे या बहुत जल्दी आएंगे जिससे पौधे बहुत ही छोटे फल बनाएंगे जो गुण एवं वजन दोनों में कम होंगे. अत: पूर्ण रूप से विकसित अर्थात् जिसकी कार्यकारी वृद्धि पूर्ण हो. ऐसे प्रवर्धन सामग्री का चयन करना चाहिए। रोपण का आर्द्रता समय प्राकृतिक रूप से बाहर आने के 12-15 माह पूर्व होनी चाहिए. जो दिसम्बर से मार्च तक भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में रोपण का समय होता है.

स्वादिष्ट खीरा उगाने की कला

- जलवायु:- खीरा गर्म मौसम की फसल है। यह पाला सहन नहीं कर सकता है। तापमान अधिक कम होने पर इसका विकास अवरूद्ध हो जाता है। इसे पर्याप्त मात्रा में सूरज की रोशनी मिलनी चाहिये। खीरे की अच्छी वृद्धि और उपज के लिये तापमान 20-26 डिग्री सेन्टीग्रेड होना अच्छा पाया गया है।

- भूमि :- खीरे को सभी प्रकार की मृदा में उगाया जा सकता है। फिर भी अच्छे उत्पादन के लिये उत्तम जल निकास वाली दोमट और रेतीली दोमट भूमि उपयुक्त रहती है। ऐसी भूमि जिसमें जैविक पदार्थ अच्छी मात्रा में उपलब्ध हो वह खीरे के लिये बढ़िया होती है। भूमि का पी.एच. मान 5.5 से 6.8 के बीच होना चाहिये। खेत में पहली जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से करके 2-3 जुताई देशी हल से कर लें। प्रत्येक जुताई के बाद पाटा देकर मिट्टी को भुरभुरा समतल कर लेना चाहिए।

उन्नत किस्में :-

- जापानी लांग ग्रीन :- यह किस्म 45 दिनों में तैयार हो जाती है। इसके फल 30-40 से.मी. लंबे और हरे रंग के होते हैं।
- स्ट्रेट 8 :- फल साधारण, लंबे, मोटे, सीधे एवं बेलनाकार होते है।
- पोइनसट :- यह किस्म मृदुरोमिल रोग की प्रतिरोधी है।
- चायना :- यह अधिक उपज देने वाली किस्म है, इसके फल 50 से.मी. लंबे, सीधे एवं बेलनाकार होते हैं।
- पूसा संयोग :- यह अधिक उपज देने वाली अगेती किस्म है। यह 50 दिनों में तैयार हो जाती है, फल 22-30 से.मी. लंबे और बेलनाकार गहरे हरे रंग के होते हैं।
- इनके अलावा हिंमागी, पूसा खीरा, भीतल, प्रिया, पूसा, उदय, स्वर्ण पूर्णा आदि भी प्रचलित किस्में हैं।
- बोआई का समय :- इसे गर्मी तथा बरसात दोनों ही मौसम में लगाया जा सकता है। गर्मी की फसल की बोआई जनवरी से मार्च तक की जाती है तथा बरसाती फसल के लिये बोआई जून-जुलाई में की जाती है। बीज को बोने से पहले पानी में डुबाकर रख लें या 0.1 प्रतिशत बाविस्टीन से उपचारित कर लें, जिससे बीजों की अंकुरण क्षमता बढ़ जाती है। बीज के पंक्तियों में बोना चाहिये। पंक्ति से पंक्ति की दूरी 150 से.मी. तथा पौधों से पौधों की दूरी 60-90 से.मी. रखना चाहिये। बरसात में थाले बनाकर बोआई करते हैं। प्रत्येक थाले में 3-4 बीज बोते है तथा बाद में एक-दो पौधों को ही रखते हैं।
- बीज दर :- एक हेक्टेयर के लिये 2.5-3.5 कि.ग्रा. बीज पर्याप्त होता है।
- खाद एवं उर्वरक :- खीरे में खाद एवं उर्वरकों की मात्रा उसकी किस्म, मृदा एवं जलवायु के हिसाब से विभिन्न होती है। फिर भी मोटे तौर पर निम्नलिखित मात्रा में खाद एवं उर्वरकों को प्रति हे. की दर से मृदा में मिलाया जा सकता है। गोबर खाद 370-490 क्विंटल, यूरिया 87 किलो सिंगल, सुपर फास्फेट 250 किलो, तथा म्यूरेट आफ पोटाश 167 किलो/हे. खेत तैयार करते समय गोबर खाद को मृदा में भली-भांति मिला दें। फास्फोरस व पोटाश की पूरी मात्रा और नत्रजन की आधी मात्रा खेती की तैयारी में अच्छी तरह मिला लें नत्रजन की बची हुई आधी मात्रा फलन शुरू होने दें.
- सिंचाई :-बोआई के तुरंत बाद हल्की सिंचाई कर दें,

लगायें तरबूज-खरबूज

गड्ढे/थाले का आकार 30 से.मी. चौड़ा तथा 60 से.मी. गहरा रखा जाता है। तैयार गड्ढे में उर्वरकों की सुझाई गई मात्रा आधी नत्रजन तथा फास्फोरस एवं पोटाश की पूरी मात्रा को मिलाकर तैयार गड्ढों में गोबर खाद के साथ मिलावे साथ ही 2-3 ग्राम कार्बाक्यूरान कीटनाशक प्रति गड्ढा डालें। इस सभी को अच्छी तरह से मिलाने के पश्चात तरबूज एवं खरबूज 3-4 बीज प्रति गड्ढा की दर से बोआई करें। बोवाई से पूर्व बीजों को 24 घंटे के लिये पानी में डुबाने के पश्चात एक कपड़े की थैली में बीज को भरकर पोटली बनाकर 3-4 दिन के लिये गर्म स्थान में रखें जिससे अंकुरण जल्दी आये इसके पश्चात अंकुरित बीजों को फफूंदनाशक दवा जैसे- थाइरम 1 ग्राम या बावीस्टिन 1 ग्राम प्रति कि.ग्राम की दर से उपचारित कर लेना चाहिए।

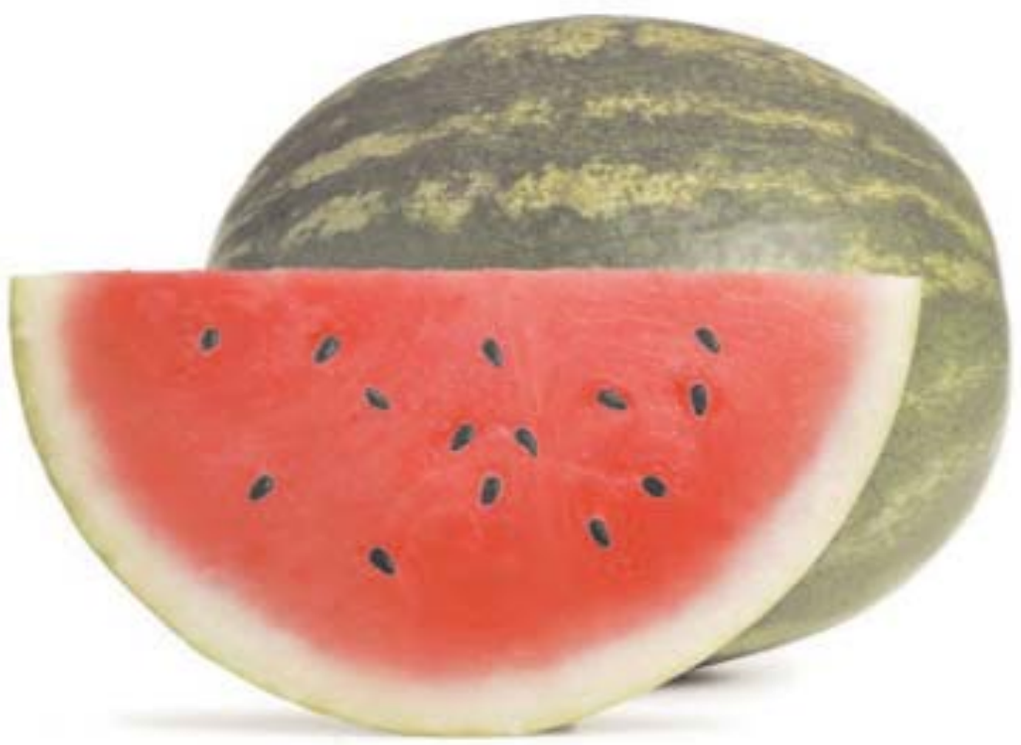

पहली पद्धति

नदी की रेतीली भूमि (रिवर बेड) में तरबूज एवं खरबूज की बोआई हेतु गड्ढा पद्धति अपनाया जाता हैं। इस विधि में कतार से कतार की दूरी तथा पौधे से पौधे की बीच की दूरी 2-3 मी. रखी जाती है। गड्ढे/थाले का आकार 30 से.मी. चौड़ा तथा 60 से.मी. गहरा रखा जाता है। तैयार गड्ढे में उर्वरकों की सुझाई गई मात्रा आधी नत्रजन तथा फास्फोरस एवं पोटाश की पूरी मात्रा को मिलाकर तैयार गड्ढों में गोबर खाद के साथ मिलावे साथ ही 2-3 ग्राम कार्बोक्यूरान कीटनाशक प्रति गड्ढा डालें। इस सभी को अच्छी तरह से मिलाने के पश्चात तरबूज एवं खरबूज 3-4 बीज प्रति गड्ढा की दर से बोआई करें। बोवाई से पूर्व बीजों को 24 घंटे के लिये पानी में डुबाने के पश्चात एक कपड़े की थैली में बीज को भरकर पोटली बनाकर 3-4 दिन के लिये गर्म स्थान में रखें जिससे अंकुरण जल्दी आये इसके पश्चात अंकुरित बीजों को फफूंदनाशक दवा जैसे- थाइरम 1 ग्राम या बावीस्टिन 1 ग्राम प्रति कि.ग्राम की दर से उपचारित कर लेना चाहिए।

दूसरी पद्धति

इस पद्धति में दियारा भूमि में कद्दूवर्गीय फसलों का उत्पादन करने के लिये 3 मीटर के अंतराल में 1 मीटर चौड़ी एवं 30 से.मी. मीटर गहरी ट्रेंच या गड्ढा तैयार किया जाता है। यह पद्धति उन स्थानों पर तैयार किये जाते हैं, जहां कि ऊपरी 2 मीटर का रेत अन-उपजाऊ होता है। टेंच तैयार करने के पश्चात पहली पद्धति के समान ही खाद कम्पोस्ट एवं उर्वरक की सुझाई गई मात्रा से ट्रेंच को भर दिया जाता है ट्रेंच में नीम की खली एवं सरसों की खली भी डालें। पलवार द्य पलवार बिछावन के उपयोग से अच्छा अंकुरण होता है।

द्य बीजों की बोवाई करने के पश्चात पैरा या खरपतवारों के अवशेष का पलवार (मल्चिंग) अवश्य बिछायें। जिससे मृदा की नमी एवं तापमान नियंत्रित रहे। जब तरबूज एवं खरबूज के पौधे एक मीटर लम्बे हो जायें तब ट्रेंच से निकले रेत को दो कतार के बीच में बराबर कर दें तथा खरपतवार के सूखे पत्तों को दो कतारों के बीच में फैला देना चाहिए. इन फसलों के फल बाजार में फरवरी-मार्च में भेजने लायक हो जाते हैं।

पादप वृद्धि नियामकों का उपयोग

वर्तमान में सब्जी फसलों के उत्पादन में बढ़ोत्तरी हेतु पादप वृद्धि नियामकों का छिड़काव किया जा रहा है। कद्दूवर्गीय फसलों में मादा पुष्प की संख्या को बढ़ाने में वृद्धि नियामक कारगर साबित हुए हैं तथा उत्पादन में बढ़ोत्तरी हुई है। खरबूज में 250 पीपीएम ईथरेल का छिड़काव करने से फल धारण क्षमता में वृद्धि होती है। इसका छिड़काव पौधों में दो-तीन सत्य पत्ती अवस्था में की जाती है। तरबूज में रसायन टीआईबीए (25-250 पीपीएम), बोरॉन (3-4 पीपीएम), मोलिब्डेनम (3-4 पीपीएम) एवं कैल्शियम (20-25 पीपीएम)का छिड़काव करने से फल अधिक लगते है। इनका छिड़काव तरबूज में दो सत्य पत्ती अवस्था में किया जाता है। गुदा का रंग लाल होता है। इस किस्म के पौधों में फूल खिलने के 30-35 दिन बाद फल परिपक्व हो जाते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

मलेशिया के साथ कूटनीतिक संबंध तोड़ेगा उत्तर कोरिया, अमेरिका है बड़ा कारण

सियोल। उत्तर कोरिया ने मलेशिया की एक अदालत के हाल ही में आए उस फैसले के विरोध में उससे कूटनीतिक संबंध समाप्त करने का फैसला किया है जिसमें उत्तर कोरिया के एक नागरिक को धनशोधन के आरोपों में अमेरिका प्रत्यर्पित किये जाने का आदेश दिया गया है। उत्तर कोरिया के विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि वह ''मलेशिया के साथ कूटनीतिक संबंधों को पूरी तरह तोड़ने की घोषणा कर रहा है जिसने अमेरिका के दबाव में उत्तर कोरिया के खिलाफ पूरी तरह प्रतिकूल कदम उठाया है।'' इससे पहले इस महीने की शुरुआत में मलेशिया की शीर्ष अदालत ने उत्तर कोरियाई नागरिक के इस दावे को खारिज कर दिया था कि अमेरिका के आरोप राजनीति से प्रेरित हैं। अदालत ने कहा कि उत्तर कोरियाई नागरिक को अमेरिका प्रत्यर्पित किया जा सकता है।

एक अध्ययन में खुलासा, 65 साल से अधिक उम्र के मरीजों का फिर से कोरोना संक्रमित होने का खतरा अधिक

लंदन। कोरोना वायरस से संक्रमित रहे ज्यादातर लोग कम से कम छह महीने तक दोबारा इसकी चपेट में नहीं आते हैं, लेकिन 65 साल से अधिक उम्र के बुजुर्ग मरीजों के फिर से संक्रमित होने का कहीं अधिक खतरा है। 'द लांसेट' जर्नल के एक नये अध्ययन में यह दावा किया गया है। डेनमार्क के स्टेटेंस सीरम इंस्टीट्यूट के वैज्ञानिकों ने देश की राष्ट्रीय कोविड-19 जांच रणनीति के तहत आंकड़े एकत्र किये। इसके जरिए 2020 में दो-तिहाई आबादी की जांच की गई। वैज्ञानिकों के मुताबिक अध्ययन में 65 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों के कोविड-19 की चपेट में आने की कहीं अधिक संभावना होने का पता चला। अध्ययन के तहत वैज्ञानिकों ने उम्र एवं लैंगिक आधार पर और संक्रमण के समय में अंतर पर गौर करते हुए पॉजिटिव और नेगेटिव जांच परिणामों के अनुपात का आकलन किया। वैज्ञानिकों का मानना है कि अध्ययन के नतीजे महामारी के दौरान बुजुर्ग आबादी की सुरक्षा के लिए उपाय किये जाने का महत्व बताते हैं।

ईयू एजेंसी- एस्ट्राजेनेका टीका सुरक्षित और प्रभावी, खून का थक्का जमने का खतरा नहीं

लंदन। यूरोपीय संघ की औषधि नियामक संस्था ने बृहस्पतिवार को कहा कि एस्ट्राजेनेका टीके से खून के थक्के जमने का खतरा नहीं है और इसके इस्तेमाल के फायदे खतरे से ज्यादा हैं। इसके साथ ही यूरोपीय देशों में इस टीके को लोगों को लगाए जाने का रास्ता साफ हो गया है। गौरतलब है कि पिछले सप्ताह, इस टीके की खुराक लेने के बाद लाखों में से कुछ लोगों के शरीर में खून के थक्के जमने की खबरें आई थीं जिसके बाद कई यूरोपीय देशों ने एस्ट्राजेनेका का टीका लगाए जाने पर रोक लगा दी थी। जर्मनी, फ्रांस और अन्य देशों ने कहा था कि वे टीके की खुराक देने से पहले 'यूरोपियन मेडिकल एजेंसी' द्वारा इसकी मंजूरी देने का इंतजार करेंगे। एजेंसी के प्रमुख एमर कुक ने कहा, ''हमारी वैज्ञानिक राय यह है कि यह टीका लोगों को कोविड-19 से बचाने में सुरक्षित और प्रभावी है।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन से तिरुमूर्ति ने की बातचीत, कोविड-19 टीकों को लेकर की चर्चा

संयुक्त राष्ट्र/वाशिंगटन। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि टी एस तिरुमूर्ति ने अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन से वर्चुअल रूप से बात की और कोविड-19 टीकों की खेप के जरिए वैश्विक महामारी के दौर में देशों को दी जा रही मदद, संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों, आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई एवं बहुपक्षवाद में सुधार को ले कर भारत की प्रतिबद्धता जताई। बाइडन ने बृहस्पतिवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के 15 राजदूतों की वर्चुअल रूप से मेजबानी की। तिरुमूर्ति ने बैठक के बाद ट्वीट किया, ''बाइडन के साथ यूएनएससी के राजदूतों की वर्चुअल मुलाकात में शामिल हुआ।' व्हाइट हाउस ने एक बयान में कहा कि बाइडन ने मूल्यों पर आधारित वैश्विक नेतृत्व और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों खासतौर से संयुक्त राष्ट्र के साथ पुन- भागीदारी पर अमेरिका की प्रतिबद्धता दोहरायी। अमेरिका मार्च के लिए सुरक्षा परिषद का अध्यक्ष है। तिरुमूर्ति ने कहा कि उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ वर्चुअल बैठक के दौरान ''बहुपक्षवाद में सुधार, लोकतंत्र, बहुलवाद और कानून का राज, समुद्री सुरक्षा, संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन तथा आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई, सभी के लिए विकास, कोविड-19 टीकों की खेप के लिए भारत की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

श्रीलंका में बुर्के और सैकड़ों इस्लामिक स्कूलों को किया जाएगा बंद, मुस्लिम संगठनों ने की हस्तक्षेप करने की मांग

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के मुस्लिम संगठनों ने देश के विदेश मंत्री से श्रीलंका में बुर्के पर प्रतिबंध और सैकड़ों की संख्या में इस्लामिक स्कूलों को बंद किए जाने के प्रस्ताव पर हस्पक्षेप करने की मांग की है। दरअसल श्रीलंका के जन सुरक्षा मंत्री शरद वीरसेकेरा ने सप्ताहांत में घोषणा की थी कि उनका देश कुछ मुस्लिम महिलाओं द्वारा चेहरे को पूरी तरह से ढ़कने के लिए पहने जाने वाले हिजाब पर प्रतिबंध लगाएगा, क्योंकि इससे राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा पैदा होता है। इसके तत्काल बाद श्रीलंका के विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी करके कहा कि इस प्रस्ताव पर कोई निर्णय विचार-विमर्श और चर्चा के पश्चात ही लिया जाएगा। 'यूनाइटेड उल्मा काउंसिल ऑफ साउथ अफ्रीका'(यूयूसीएसए) ने दक्षिण अफ्रीका के विदेश मंत्री नालेदी पांडोर से इस मामले में हस्तक्षेप करने को कहा है।

चीन के साथ खुलकर बातचीत करना चाहता है अमेरिका, कई मुद्दों पर चल रहा टकराव

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका चाहता है कि राष्ट्रपति जो बाइडेन के प्रशासन में चीन के साथ पहली आमने-सामने की मुलाकात में बातचीत खुलकर हो और उसकी योजना हांगकांग में बीजिंग के गैर लोकतांत्रिक कदमों, उसके मानवाधिकार उल्लंघन तथा क्षेत्र में सैन्य तनाव जैसे मुश्किल मुद्दों पर बात करने की है। व्हाइट हाउस ने यह जानकारी दी है। अमेरिका और चीन के बीच संबंध अब तक के सबसे निचले स्तर पर हैं। दोनों देशों के बीच व्यापार, दक्षिण चीन सागर में चीन के आक्रामक सैन्य कदमों और हांगकांग तथा शिनजियांग प्रांत में मानवाधिकारों समेत कई मुद्दों पर टकराव चल रहा है। अमेरिका के विदेश मंत्री एंथनी ब्लिंकन और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैक सुलीवन ने अलास्का के एंकरेज में चीन के अपने समकक्षों वांग यी और यांग जिएची से मुलाकात की।

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने बृहस्पतिवार को पत्रकारों से कहा, ''हमारा अनुमान है कि इस बैठक में निश्चित रूप से मुश्किल मुद्दों पर बातचीत होगी। हम चाहते हैं कि खुलकर बात की जाए। उनकी योजना मानवाधिकारों, हांगकांग समेत विभिन्न मुद्दों पर बात करने की है। जाहिर तौर पर हमने पिछले कुछ दिनों में हांगकांग में गैर लोकतांत्रिक कदमों से संबंधित कुछ प्रतिबंध लगाए हैं। चाहे वे आईपी या डेटा संरक्षण से जुड़ा हो या सैन्य तनाव से।'' अमेरिका ने हांगकांग में लोकतांत्रिक संस्थाओं को चीन द्वारा लगातार निशाना बनाए जाने की निंदा की है। अलास्का से लौटने के बाद ब्लिंकन और सुलीवन बाइडन को बातचीत की जानकारी देंगे जिसके बाद राष्ट्रपति अपनी चीन नीति की रूपरेखा तय कर सकते हैं। रिपब्लिकन सीनेटर और जापान में अमेरिका के पूर्व राजदूत बिल हैगर्टी ने एक बयान में बाइडन प्रशासन से दुर्भावनापूर्ण एवं हिंसक बर्ताव के लिए चीन को जिम्मेदार ठहराने का अनुरोध किया है।

उन्होंने कहा, ''हम यह नजरअंदाज नहीं कर सकते कि चीन शिनजियांग प्रांत में उइगर मुसलमानों का जनसंहार कर रहा है, अमेरिका तथा दुनियाभर में बौद्धिक संपदा को चुराने के लिए अवैध हथकंड़े अपना रहा है, अंतरराष्ट्रीय समझौते का उल्लंघन कर हांगकांग की स्वायत्तता को खत्म कर रहा है, महामारी की जांच को रोक रहा है, लोकतांत्रिक ताइवान को धमका

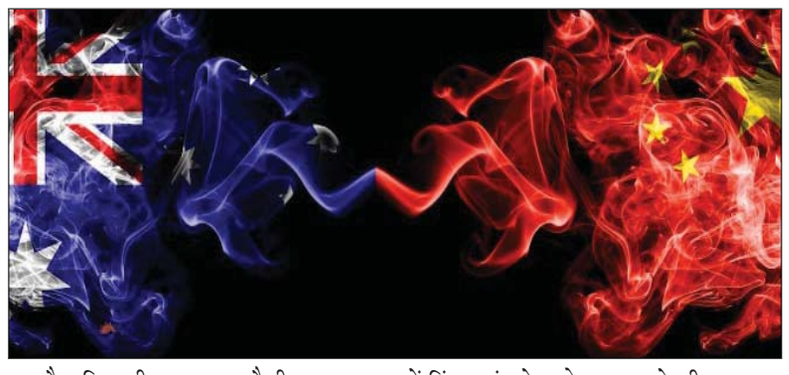

रहा है, दक्षिण चीन सागर का सैन्यीकरण कर रहा है और साथ ही अमेरिका के सहयोगियों को आर्थिक रूप से मजबूर कर रहा है।'' गौरतलब है कि भारत, अमेरिका और कई अन्य देश क्षेत्र में चीन की बढ़ती सैन्य पैंतरेबाजी की पृष्ठभूमि में हिंद-प्रशांत क्षेत्र को मुक्त बनाने की जरूरत पर जोर दे रहे हैं। चीनी सेना अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए सामरिक रूप से महत्वपूर्ण हिंद महासागर क्षेत्र पर भी पैनी नजर रख रही है।

कोरोना काल में लॉकडाउन को पूरा हुआ एक साल, पूरी दुनिया में बदल गए थे कुछ इस कदर हालात

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

भारत के कोविड-19 वर्ष को देखने के कई तरीके हैं। जब दुनिया में कोरोना संक्रमणों से पीड़ित की संख्या बढ़ती जा रही थी तब भारत ने सही समय पर देश का पहला लॉकडाउन लगाने का फैसला किया। देश के 1.3 बिलियन से अधिक लोगों ने इस कठिन लॉकडाउन का बड़े ही बहादुरी से सामना किया। आपको जानकर हैरानी नहीं होगी लेकिन कम से कम 11 मिलियन लोग इस भयकंर महामारी के चपेट में आए और 160,000 के करीब इसकी वजह से मृत्यु हुई। साल 2020 के मार्च में जब दुनिया ने पहली बार तबाही की ऐसी झलक देखी तब, भारत सरकर को लॉकडाउन के अलावा कोई और विकल्प नहीं दिखा। वहीं विशेषज्ञों ने माना कि इस लॉकडाउन से भारत को भारी नुकसान होगा।

घरों में बंद हो गए थे लोग

भारत में कोविड़-19 महामारी के मद्देनजर लॉकडाउन 24 मार्च 2020 को लगाई गई। लॉकडाउन ने किसी की जिदंगी आसान बनाई तो किसी के लिए मुसीबत ही बुलाई। नागरिकों के संकट और नुकसान को भुलाया नहीं जा सकता है और ना ही भुलाया जाना चाहिए। साथ ही ऐसे व्यापक संकट के कारणों की भी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए। जब मार्च में लॉकडाउन की घोषणा हुई तब दुनिया की आधी आबादी लॉकडाउन में थी। वहीं सरकार ने लोगों को घरों में रहने का आदेश दिया। आपको बता दें कि लॉकडाउन के दौरान भारत की 1.3 अरब आबादी घरों में बंद थी और यह देश की सबसे बड़ी संख्या रही।

सड़कें वीरान और स्कूल-कॉलेज पड़ गए थे ठप

जब कोरोना महामारी का प्रकोप बढ़ता जा रहा था तब चीन ने लॉकडाउन लगाया वहीं लोगों की जान को बचाने के लिए कई और देशों ने भी लॉकडाउन जारी करने के आदेश दिए। भारत ने भी लॉकडाउन लगाया। इस लॉकडाउन के बाद से शहर में सड़कें विरान पड़ी रही, न कार सड़को पर दौड़ रही थी, न ही कोई हवाई यात्रा आसमान को छू रही थी, उद्योग धंधे ठप पड़ गए और कोरोना से बचने के लिए हर तरफ नियमों का पालन करने की लहर चली। वहीं स्कूल और कॉलेज के बंद होने से कम से कम दुनिया के 47 फीसद छात्र प्रभावित हुए।

क्वारंटाइन शब्द का हुआ इस्तेमाल

चीन के वुहान शहर से कोरोना महामारी फैलने के साथ ही एक ऐसा शब्द भी सबके जुबान पर चढ़ गया जो अब काफी इस्तेमाल किया जा रहा है। वो शब्द है क्वारंटाइन। क्वारंटाइन शब्द भले ही काफी पुराना हो लेकिन आज भी इस शब्द का असली अर्थ लोग समझ नहीं पाए है। दुनिया के मिलियन लोगों के लिए यह शब्द नया था जो अब काफी प्रचलित शब्दों में से एक बन चुका है। आपको बता दें कि क्वारंटाइन शब्द का मतलब होता है किसी बीमारी के फैलने के खतरे से बचाव के लिए प्रतिबंध लगाना। ऐसे में लोगों को बाहर जाने, घुमने यहां तक की मिलने-जुलने पर भी पाबंदी लगा दी जाती है।

तीन बार लगा लॉकडाउन, भारत की अर्थव्यवस्था को हुआ भारी नुकसान

इटली, फ्रांस और अमेरिका जैसे देशों में जब कोरोना महामारी ने अपना कहर बरपाया तब कई देशों ने तीन-तीन बार लॉकडाउन लगाया। वहीं कई दुनिया ने बढ़ते मामलों के बावजूद लॉकडाउन नहीं लगाने का फैसला किया। वहीं भारत में मार्च में लगे इस लॉकडाउन का अंत सीधा अक्टुबर महीनें में हुआ। आर्थिक संकट और भारत की अर्थव्यवस्था लाल निशान पर पहुंचने के बावजूद भारत सरकार ने नागरिकों के लिए लॉकडाउन को जल्द खत्म करने का फैसला नहीं लिया। इस बीच भारत सरकार की काफी आलोचना भी हुई, वहीं मार्च 2020 में फिक्की ने एक सर्वे में दावा किया जिसमें केवल लॉकडाउन के कारण भारत में 53 फीसदी बिजनेस कोरोना महामारी के प्रभाव के कारण बंद पड़ गए थे। बड़ी संख्या में लोग बेरोजगार हुए और कई सेक्टर ठप पड़ गए। पर्यटन उद्योग से लेकर होटल इंडस्ट्री बिल्कुल ठप पड़ गई। बता दें कि इस इंडस्ट्री से ही केवल मार्च से अप्रैल तक 15 हजार करोड़ का नुकसान हुआ था। वहीं बात करें भारत की अर्थव्यवस्था को 32 हजार करोड़ का नुकसान हुआ।

इजराइल में फिर होंगे चुनाव, प्रधानमंत्री नेतन्याहू की किस्मत छोटे दलों के हाथों में

यरूशलम। (एजेंसी)।

इजराइल के मीडिया संस्थानों की ओर से शुक्रवार को जारी किए गए चुनाव पूर्वानुमानों के मुताबिक इस बार चुनाव में प्रधानमंत्री नेतन्याहू की किस्मत छोटे दलों के प्रदर्शन पर निर्भर करेगी। उन्हें उस पूर्व सहयोगी दल के भरोसे भी रहना होगा, जिसने उनकी आलोचना की थी हालांकि गठबंधन में शामिल होने से इनकार भी नहीं किया था। आगामी मंगलवार को यहां पर चुनाव होने हैं, जो दो साल से भी कम समय में चौथे चुनाव होंगे। इसे नेतन्याहू पर एक जनमत संग्रह के तौर पर भी देखा जा रहा है। उन्होंने दुनिया के सबसे सफल कोरोना वायरस टीकाकरण अभियान में से एक का नेतृत्व किया है।

हालांकि, वह भ्रष्टाचार के आरोपों में भी घिरे हैं। पूर्वानुमानों के मुताबिक नेतन्याहू की लिकुड पार्टी 120 सदस्यीय संसद में 30 सीटें जीत सकती है लेकिन उसके गठबंधन सहयोगियों के महज 50 सीटें जीतने का अनुमान है। वहीं दूसरी ओर, वैचारिक रूप से अलग दल जो नेतन्याहू को पद से हटाना चाहते हैं, उन सबके पास कुल मिलाकर 56-60 सीटें आ सकती हैं जो बहुमत से कुछ ही कम है। नेतन्याहू विरोधी सबसे बड़ा दल येश अतिद पार्टी 20 सीटें जीत सकता है। हालांकि, नेतन्याहू की पूर्व सहयोगी नफताली बेनेट की यामिना पार्टी किंगमेकर की भूमिका में आ सकती है। इस पार्टी के दस सीटें जीतने का अनुमान है और उसने किसी भी गठबंधन में शामिल होने से इनकार नहीं किया है। कुछ और भी दल हैं जो महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं। कुल मिलाकर किसी भी गठबंधन का जरा सा अच्छा या जरा सा खराब प्रदर्शन राजनीतिक समीकरणों को बदल सकता है। मतदान केंद्रों के बंद होने के बाद इजराइल का मुख्य प्रसारणकर्ता अनाधिकारिक एग्जिट पोल जारी करेगा।

पाकिस्तानी सेना की भारत के साथ दोस्ती की अपील, कहा- अतीत भूलकर आगे बढ़ें दोनों देश

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

पाकिस्तान सेना के प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा ने बृहस्पतिवार को कहा कि यह भारत और पाकिस्तान के लिए ''अतीत को भूलने और आगे बढ़ने'' का समय है। जनरल बाजवा ने यहां इस्लामाबाद सुरक्षा वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि विवादों के कारण क्षेत्रीय शांति और विकास की संभावना अनसुलझे मुद्दों के कारण हमेशा बाधित रही है। उन्होंने कहा कि दोनों पड़ोसी देशों के बीच शांति से दक्षिण और मध्य एशिया में विकास की संभावनाओं को खोलने में मदद मिलेगी। बाजवा ने कहा, ''मेरा मानना है कि यह समय अतीत को भूलने और आगे बढ़ने का है।''

गौरतलब है कि भारत ने पिछले महीने कहा था कि वह पाकिस्तान के साथ आतंक, दुश्मनी और हिंसा मुक्त माहौल के साथ सामान्य पड़ोसी संबंधों की आकांक्षा रखता है। भारत ने कहा था कि इसकी जिम्मेदारी पाकिस्तान पर है कि वह आतंकवाद और शत्रुता मुक्त माहौल तैयार करे। भारत ने पाकिस्तान से यह भी कहा था कि 'आतंकवाद और वार्ता' साथ-साथ नहीं चल सकते तथा भारत में हमलों के लिए जिम्मेदार आतंकी संगठनों के खिलाफ ऐसे कदम उठाए जाएं, जो स्पष्ट रूप से नजर आ सकें। जनरल बाजवा ने कहा, ''हमारे पड़ोसी को विशेष रूप से कश्मीर में एक अनुकूल वातावरण बनाना होगा।'' उन्होंने कहा, ''इनमें सबसे अहम मुद्दा कश्मीर का है। यह समझना महत्वपूर्ण है कि शांतिपूर्ण तरीकों के माध्यम से कश्मीर विवाद के समाधान के बिना इस क्षेत्र में शांति की कोई भी पहल सफल नहीं हो सकती है।'' जनरल बाजवा के बयान से एक दिन पहले प्रधानमंत्री इमरान खान ने भी ऐसा ही बयान दिया था। खान ने बुधवार को कहा था कि उनके मुल्क के साथ शांति रखने पर भारत को आर्थिक लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा था कि इससे भारत को पाकिस्तानी भू-भाग के रास्ते संसाधन बहुल मध्य एशिया में सीधे पहुंचने में मदद मिलेगी। खान ने कहा था, ''भारत को पहला कदम उठाना होगा। वे जब तक ऐसा नहीं करेंगे, हम ज्यादा कुछ नहीं कर सकते हैं।'' जनरल बाजवा ने कहा कि पूर्व और पश्चिम एशिया के बीच संपर्क सुनिश्चित कर ''दक्षिण और मध्य एशिया की क्षमता को खोलने के लिए'' भारत और पाकिस्तान के बीच शांति का माहौल होना बहुत आवश्यक है। अपने संबोधन में, जनरल बाजवा ने गरीबी के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्रीय तनाव से जुड़ा है जिसने क्षेत्रीय कनेक्टिविटी और एकीकरण को बाधित किया है। इसके बाद इसी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने कहा कि दक्षिण एशिया में स्थायी शांति, सुरक्षा और विकास लंबे समय से चले आ रहे जम्मू-कश्मीर विवाद के शांतिपूर्ण समाधान पर टिका है।

रचा इतिहास, तंजानिया की पहली महिला राष्ट्रपति बनीं सामिया सुलुहू हसन

दार-उस-सलाम। सामिया सुलुहू हसन (61) ने शुक्रवार को इतिहास रचते हुए तंजानिया की पहली महिला राष्ट्रपति के तौर पर शपथ ली। उन्होंने देश के सबसे बड़े शहर दार-उस-सलाम में स्टेट हाउस के सरकारी कार्यालय में राष्ट्रपति पद की शपथ ग्रहण की। हिजाब पहनकर और अपने दाएं हाथ में कुरान पकड़ते हुए हसन ने पद की शपथ ली।

इस शपथ ग्रहण समारोह में पूर्वी अफ्रीकी देश के मुख्य न्यायाधीश और मंत्रिमंडल के सदस्य शामिल हुए। तंजानिया के पूर्व राष्ट्रपति अली हसन मिन्यी, जकाया किकवेते और आबिद करुमे भी इस मौके पर मौजूद रहे। शपथ लेने के बाद हसन ने सैन्य परेड का निरीक्षण किया।

चीन का बड़ा बयान, कहा- अमेरिकी राजनयिकों के साथ वार्ता से साजिश की बू आ रही है

बीजिंग। चीन ने शुक्रवार को कहा कि अलास्का में अमेरिका के शीर्ष राजनयिकों के साथ वार्ता से साजिश की बू आ रही है। बाइडेन प्रशासन के तहत दोनों देशों के राजनयिकों के बीच आमने-सामने बैठ कर हुई यह पहली बातचीत है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियान ने बीजिंग में कहा कि अलास्का बैठक में अमेरिकी अधिकारियों ने चीन की विदेश एवं घरेलू नीतियों पर बेबुनियाद हमले कर चीनी अधिकारियों को गंभीर जवाब देने के लिए उकसाया। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के विदेश मामलों के प्रमुख यांग जियेची ने बृहस्पतिवार को अपनी बैठक में एक दूसरे के देश की नीतियों पर निशाना साधा। झाओ ने अमेरिकी पक्ष पर शुरूआती टिप्पणियों के लिए तय समय सीमा का उल्लंघन करने का आरोप लगाया, जिसके चलते चीनी प्रतिनिधिमंडल ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। बैठक शुक्रवार को भी जारी रहने वाली है। व्यापार, प्रौद्योगिकी, मानवधिकारों के मुद्दे और ताईवान, दक्षिण चीन सागर एवं पूर्वी चीन सागर के द्वीपों पर चीन के दावे को लेकर विवादों के बीच यह बैठक हो रही है। चीन ने कोरोना वायरस महामारी के उत्पत्ति स्थल के बारे में व्यापक पारदर्शिता की अमेरिका की मांग को लेकर भी कड़ी आपत्ति जताई है। झाओ ने नियमित संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''यह अमेरिकी पक्ष है...जिसने शुरूआत में विवाद पैदा किया, इसलिए दोनों पक्षों को साजिश की बू आ रही है। शुरूआती टिप्पणियों के समय से ही नाटकीय घटनाक्रम हुए। यह चीनी पक्ष का मूल इरादा नहीं था।

अमेरिका ने पास किया नया कानून, 5 लाख से अधिक भारतीयों के सपने हो सकते हैं पूरे

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने एक ऐसा विधेयक पारित किया है, जिसने अमेरिका में 5 लाख से अधिक भारतीयों के नागरिकता के मार्ग को प्रशस्त कर दिया है। अमेरिकी संसद के निचले सदन हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव ने जो बिल पारित किया है, उसके मुताबिक बचपन से अवैध रूप से अमेरिका में रह रहे प्रवासी लोगों के लिए नागरिकता हासिल करना आसान हो जायेगा। अमेरिकन ड्रीम एंड प्रोमिस एक्ट के नाम से पारित इस विधेयक से अमेरिका में रह रहे 5 लाख से अधिक भारतीयों के सपने पूरे होंगे।

हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव ने गुरुवार को अमेरिकन ड्रीम एंड प्रॉमिस एक्ट को 228-197 मतों के अंतर से पारित कर दिया और उसे सीनेट के विचार के लिए भेज दिया गया है। इस बिल से ऐसे लोगों के लिए भी नागरिकता हासिल करना आसान हो जायेगा, जिन्हें कानूनी निगरानी में रहना होता है और उन्हें वापस उनके देश भेजने की बात भी चलती रहती है। माना जा रहा है कि अब इस कानून से 5 लाख से अधिक भारतीयों समेत लगभग एक करोड़ 10 लाख ऐसे अप्रवासियों को अमेरिका की नागरिकता मिल जाएगी, जिनके पास दस्तावेज नहीं हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने बिल का समर्थन करते हुए कहा है कि वह चाहते हैं कि कांग्रेस इस बिल को पारित कर दे जिससे करीब 1.1 करोड़ प्रवासियों को देश की नागरिकता मिलने का रास्ता साफ हो जायेगा। इसे अमेरिका के आव्रजन सुधार की दिशा में बड़ा कदम बताया जा रहा है। दअसल, अमेरिका में कानूनी दर्जे के बिना रह रहे करीब लोगों की संख्या 1 करोड़ 10 लाख है और इस नए कानून के प्रभाव में आने से इनकी नागरिकता को अमली जामा पहनाया जा सकता है। इस कानून से सीधे तौर पर भारत के करीब 5 लाख लोगों को फायदा होगा। जो बाइडन ने कहा कि मैं इस विधेयक का समर्थन करता हूं और इस महत्वपूर्ण कानून को पारित करने के लिए प्रतिनिधि सभा की सराहना करता हूं। उन्होंने कहा कि यह अस्थायी संरक्षित स्थिति (टीपीएस) धारकों और यहां रहने के प्रवासियों और बचपन में ही आ अमेरिका आए युवाओं को बहुत जरूरी राहत प्रदान करेगा।

बता दें कि यहां प्रवासियों मूल रूप से अप्रत्यक्ष अप्रवासी हैं, जो माता-पिता के साथ बच्चों के रूप में अमेरिका आए थे। पिछले नवंबर में बिडेन अभियान द्वारा जारी किए गए एक नीति दस्तावेज के अनुसार, लगभग 11 मिलियन अनिर्दिष्ट अप्रवासी हैं, जिनमें भारत से 500,000 से अधिक शामिल हैं। इस बिल को अब सीनेट में पेश किया जाएगा, जहां पास किए जाने के बाद जो बाइडेन के हस्ताक्षर करने के बाद यह कानून की शक्ल लेगा।

बाइडन से गैर-आव्रजक वीजा पर प्रतिबंध हटाने की मांग

पांच डेमोक्रेट सीनेटरों ने राष्ट्रपति जो बाइडन से उनके पूर्ववर्ती डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कुछ गैर-आव्रजक वीजा पर लगाए गए प्रतिबंध को हटाने की मांग की है। इनमें एच-1बी वीजा भी शामिल है, जो भारतीय आईटी पेशेवरों में काफी लोकप्रिय है। अमेरिकी सीनेटरों का कहना है कि इस प्रतिबंध की वजह से अमेरिकी नियोक्ताओं, उनके विदेश में जन्मे पेशेवर कर्मचारियों और उनके परिजनों के

लिए काफी अनिश्चिय की स्थिति पैदा हो गई है।

जून, 2020 में ट्रंप ने घोषणा-10052 के जरिये एच-1बी, एल-1, एच-2बी और जे-1 वीजा की प्रक्रिया रोक दी थी। श्रम बाजार में इन वीजा के कथित जोखिमों के मद्देनजर ट्रंप ने यह कदम उठाया था। हालांकि, यह प्रावधान 31 मार्च, 2021 को समाप्त हो रहा है, लेकिन कंपनियों का कहना है कि यदि इस दिशा में कोई कार्रवाई नहीं की गई, तो उनका कारोबार और अर्थव्यवस्था का पुनरुद्धार प्रभावित हो सकता है।

इन सीनेटरों ने कहा कि रिपोर्ट से पता चलता है कि सूचना प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में एच-1बी वीजा धारकों के पद अभी खाली हैं या इन्हें विदेशी बाजारों में स्थानांतरित कर दिया गया है। एच-1बी वीजा एक गैर-आव्रजक वीजा है जिसके जरिये अमेरिकी कंपनियों को विशेषज्ञता वाले पदों पर विदेशी कर्मचारियों की नियुक्ति की अनुमति होती है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

असम में कांग्रेस की सरकार बनी तो सीएए लागू नहीं होने देंगे : राहुल गांधी

लाहोवाल (असम)। (एजेंसी)।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि अगर उनकी पार्टी असम में सत्ता में आती है तो वह सुनिश्चित करेगी कि राज्य में नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) लागू न हो। राहुल ने डिब्रूगढ़ जिले में यहां कॉलेज के छात्रों के साथ चर्चा में यह बात कही। उन्होंने कहा, अगर हम (कांग्रेस) राष्ट्रीय स्तर पर सत्ता में आए तो इसे (सीएए को) लागू नहीं होने देंगे। गांधी से जब पूछा गया कि क्या भाजपा धर्म और राजनीति को आपस में मिला रही है तो उन्होंने जवाब दिया कि भगवा पार्टी समाज के विभिन्न वर्गों के बीच विभाजन पैदा करने के लिये धर्म का नहीं बल्कि नफरत का इस्तेमाल करती है। उन्होंने कहा, कोई भी धर्म दुश्मनी नहीं सिखाता। हिंदू धर्म में कहां लिखा है कि नफरत फैलानी चाहिये? भाजपा ने समाज को बांटने के लिए नफरत का इस्तेमाल किया। वे चाहे जो कर लें पर कांग्रेस प्यार और सौहार्द बढ़ाएगी।'' राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का अप्रत्यक्ष तौर पर जिक्र करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि नागपुर में एक ताकत देश को नियंत्रित करने की कोशिश कर रही है'' लेकिन युवाओं को प्यार और विश्वास से इस कोशिश को रोकना होगा क्योंकि वे देश का भविष्य हैं। गांधी ने कहा कि 20 साल पहले असम हिंसा से त्रस्त था लेकिन कांग्रेस की सरकार बनी तो उसने शांति और विकास सुनिश्चित किया। उन्होंने कहा, भाजपा का काम है तोड़ना, हमारा काम है जोड़ना। कांग्रेस नेता ने कहा कि नफरत और बेरोजगारी के बीच सीधा संबंध है। नफरत बढ़ती है तो बेरोजगारी बढ़ती है और बेरोजगारी से नफरत को बढ़ावा मिलता है। क्या आपस में लड़ रहे समाज के दो वर्ग एक साथ कारोबार कर सकते हैं? कारोबार और रोजगार के अवसरों को बढ़ाने के लिये सौहार्द और भाईचारा होना चाहिये। उन्होंने भाजपा पर असम की चाय कंपनियों और गुवाहाटी एयरपोर्ट जैसे राज्य के संसाधन बाहरियों के बेचने का भी आरोप लगाया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गांधी ने कहा कि देश की मौजूदा सरकार हम दो, हमारे दो की तर्ज पर चल रही है। जिनमें दो संसद के अंदर (प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की ओर इशारा करते हुए) हैं और दो बाहर (अडानी और अंबानी) हैं। उन्होंने कहा, असम के संसाधन और दौलत असमी जनता के लिये होनी चाहिये। राज्य सरकार यहां की जनता के हितों के हिसाब से चलनी चाहिये। दो दिन के दौरे पर असम आए राहुल गांधी का राज्य में चुनाव के लिए शनिवार को पार्टी का घोषणापत्र जारी करने का कार्यक्रम है।

सार समाचार

अंबानी विस्फोटक कार मामला : एनआईए अधिकारियों ने मुंबई पुलिस आयुक्त से की मुलाकात

मुंबई। उद्योगपति मुकेश अंबानी के घर के बाहर विस्फोटकों से लदी कार पाए जाने के मामले की छानबीन कर रहे एनआईए के दो वरिष्ठ अधिकारियों ने यहां शुक्रवार को मुंबई पुलिस आयुक्त से मुलाकात की। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) के अधिकारी पुलिस महानिरीक्षक अनिल शुक्ला और पुलिस अधीक्षक विक्रम खलाते ने मुंबई पुलिस के नवनियुक्त आयुक्त हेमंत नगराले से दोपहर में मुलाकात की। अधिकारी ने कहा कि संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) मिलिंद भारंबे और पुलिस उपायुक्त (अपराध) अकबर पठान भी बैठक के दौरान उपस्थित थे। एनआईए अधिकारियों ने करीब 30 मिनट तक पुलिस आयुक्त कार्यालय में बैठक की। परमबीर सिंह को हटाकर नगराले को मुंबई पुलिस का आयुक्त नियुक्त किए जाने के दो दिन बाद एनआईए के वरिष्ठ अधिकारियों ने पहली बार आयुक्त कार्यालय में बैठक की। एनआईए ने इस मामले में पिछले सप्ताह सहायक पुलिस निरीक्षक वाजे को गिरफ्तार किया था और पांच लग्जरी कारें जब्त की थीं।

दिल्ली सरकार के सूत्रों का दावा, केंद्र ने घर-घर राशन पहुंचाने की योजन रोक दी है

नयी दिल्ली। लोकसभा में जीएनसीटीडी (संशोधन) विधेयक पेश होने के कुछ दिनों बाद दिल्ली सरकार के सूत्रों ने शुक्रवार को दावा किया कि केंद्र सरकार ने घर-घर राशन पहुंचाने की योजना रोक दी है जिसे इस महीने के आखिरी में शुरू किया जाना था। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल 25 मार्च को सीमापुरी इलाके में 100 घरों तक राशन पहुंचाकर इस योजना की शुरुआती करने वाले थे। सूत्र ने विस्तृत जानकारी दिए बिना कहा, '' केंद्र ने दिल्ली सरकार की घर-घर राशन पहुंचाने की योजना रोक दी है।'' उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने सोमवार को लोकसभा में दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र सरकार (संशोधन) विधेयक पेश किया था जिसमें उप राज्यपाल को और अधिक शक्तियां देने का प्रावधान है। दिल्ली में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी ने विधेयक का विरोध किया है और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि इस प्रस्तावित संशोधन के खिलाफ संघर्ष जारी रहेगा।

बाजवा के बयान पर आया महबूबा मुफ्ती का कमेंट, कहा- कश्मीर मुद्दे को सुलझाने का 'अच्छा मौका'

श्रीनगर। पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने शुक्रवार को कहा कि पाकिस्तानी सेना प्रमुख के उस बयान से दोनों देशों को शत्रुता को दरकिनार करके कश्मीर मुद्दे का स्थायी समाधान निकालने का एक अच्छा अवसर मिला है, जिसमें उन्होंने भारत के साथ बेहतर संबंधों की बात कही थी। महबूबा ने ट्वीट किया, ''भारत और पाकिस्तान के लिए शत्रुता को दरकिनार करने और कश्मीर के संबंध में दीर्घकालिक समाधान खोजने का एक अच्छा अवसर है।'' वह पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा के उस बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त कर रही थीं, जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत और पाकिस्तान को अतीत को छोड़कर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा, ''दोनों देशों के पास एक-दूसरे से आगे निकलने के लिए बहुत बड़ा सैन्य बजट है जबकि उन संसाधनों का उपयोग गरीबी, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा जैसी सामान्य चुनौतियों पर किया जा सकता है।

संसद ने बदला 50 साल पुराना अबॉर्शन कानून, 24 सप्ताह तक के भ्रूण का हो सकेगा गर्भपात

नई दिल्ली। संसद ने शुक्रवार को 50 साल पुराने गर्भपात कानून में संशोधन को मंजूरी दे दी है। अब रेप, गैर-कानूनी यौन संबंध और नाबालिग के प्रेगनेंट होने के मामलों में 24 सप्ताह के भ्रूण का भी गर्भपात कराया जा सकेगा। अब यह लिमिट 20 सप्ताह की ही थी। इस संशोधन विधेयक को 16 मार्च को ही राज्यसभा ने पारित कर दिया था, जबकि शुक्रवार को लोकसभा ने भी इसे पारित कर दिया। इस बिल को लोकसभा से पिछले साल ही पारित कर दिया गया था, लेकिन राज्यसभा से एक बार संशोधन के साथ इसे निचले सदन में भेजा गया था। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की ओर से इस बिल पर हस्ताक्षर करने के साथ ही रेप से प्रेगनेंट होने वाली महिलाओं को बड़ी राहत मिलेगी। मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेगनेंसी अमेंडमेंट बिल 2020 के जरिए यौन उत्पीड़न की शिकार युवतियों को बड़ी राहत मिलेगी। दरअसल 1971 के इस कानून के तहत 20 सप्ताह से अधिक के भ्रूण का गर्भपात कराना गैरकानूनी था। इससे ऐसी पीड़िताओं को राहत मिलेगी, जो यौन उत्पीड़न का शिकार हुई हों। इसके अलावा रेप पीड़ित युवती की पहचान उजागर करने वाले डॉक्टर को भी एक साल तक की जेल हो सकेगी। दरअसल चंडीगढ़ में एक नाबालिग के रेप से गर्भवती होने का मामला सामने आने के बाद कानून में बदलाव की मांग उठी थी। पीड़िता के साथ उसके मामा ने ही कई महीने तक उत्पीड़न किया था। इसके चलते नाबालिग पीड़िता प्रेगनेंट हो गई थी और अगस्त 2017 में उसने बच्ची को जन्म दिया था। यह मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा था, लेकिन अबॉर्शन से इनकार के बाद 10 साल की पीड़िता ने ऑपरेशन के जरिए बच्ची को जन्म दिया था। संशोधित कानून के मुताबिक यह अपर लिमिट तब लागू नहीं होगी, जब भ्रूण को हटाने से कोई मेडिकल प्रॉब्लम होने की आशंका हो। इसके अलावा यदि गर्भपात करने वाले डॉक्टर की ओर से पीड़िता की पहचान को उजागर किया जाता है तो उसे भी एक साल तक की कैद और जुर्माने की सजा होगी।

उत्तर प्रदेश सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले राज्य के रूप में उभरेगा : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को विश्वास जताया कि उनकी सरकार के प्रयासों से उत्तर प्रदेश बीमारू राज्य की श्रेणी से उबर कर देश की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले राज्य के रूप में उभरेगा। राज्य में भारतीय जनता पार्टी की सरकार के गठन के चार वर्ष पूरे होने के अवसर पर आदित्यनाथ ने लोकभवन में आयोजित एक समारोह में दशकों में जो न हो पाया-चार वर्ष में कर दिखाया नामक विकास पुस्तिका का विमोचन भी किया। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि हमें विश्वास है कि हम उत्तर प्रदेश को उन ऊंचाइयों तक ले जाएंगे, जहां प्रदेश की अर्थव्यवस्था देश की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित होगी।'' योगी ने 2017 के पहले की बदहाली का जिक्र किया और कहा कि चार वर्ष के दौरान प्रदेश में केंद्र सरकार की सभी योजनाओं को आम जन तक पहुंचाया गया है। उन्होंने कहा, पिछले चार वर्ष में सभी पर्व और त्योहार शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुए और चार वर्ष में प्रदेश में कोई दंगा नहीं हुआ। पेशेवर अपराधियों और माफिया के खिलाफ कार्रवाई हुई। आज प्रदेश निवेश का गंतव्य बना है और आज देश दुनिया के हर निवेशक को पहला गंतव्य उप्र दिखाई देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार निवेश अनुकूल वातावरण बनाने में पूरी तरह सफल रही है और प्रदेश के हर सेक्टर में सार्थक परिणाम सामने आये हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के बारे में देश की धारणा बदली है और सकारात्मक माहौल देखने को मिला है।'' योगी ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था का आधार ग्रामीण भारत है लेकिन 1947 में आजादी के बाद से प्रदेश उपेक्षित रहा। 2017 में जब हमारी सरकार आयी तो बहुत से ऐसे गांव थे जिन्हें आजादी के बाद से किसी सुविधा का लाभ नहीं मिला। यहां तक कि कई जगह वोट के अधिकार भी नहीं थे लेकिन आज हमें प्रसन्नता है कि प्रदेश में वन ग्रामों को राजस्व ग्रामों में बदलकर बुनियादी सुविधाएं दी गई हैं।'' मुख्यमंत्री ने प्रदेश सरकार की उपलब्धियों का आंकड़ा प्रस्तुत करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्र की अर्थव्यवस्था में संपर्क का बड़ा योगदान है। 2017 में सरकार बनी तो प्रदेश में बिजली आपूर्ति और सड़क का अभाव था लेकिन सरकार ने बिना भेदभाव के यह सुविधा उपलब्ध कराई। एक लाख 21 हजार गांवों तक बिजली पहुंचाने का कार्य किया और हर जिला मुख्यालय को फोर लेन से जोड़ने के साथ अंतरराज्यीय संपर्क को बेहतर किया। उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड और विंध्य क्षेत्र में पेयजल का कार्य प्रारंभ हो चुका और प्रदेश के तीस हजार अन्य राजस्व ग्रामों में पेयजल की आपूर्ति की कार्रवाई प्रदेश सरकार करने जा रही है। सरकार के मार्गदर्शन का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देते हुए योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफार्म के मंत्र को राज्य में मूर्त रूप दिया गया है। योगी ने कहा कि राज्य ने दो करोड़ 64 लाख शौचालय बनाकर देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

पुराने भाजपा नेता रो रहे हैं क्योंकि पार्टी ने टीएमसी के दलबदलुओं को मैदान में उतारा है: ममता

एगरा (पश्चिम बंगाल)। (एजेंसी)।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो ममता बनर्जी ने शुक्रवार को टीएमसी छोड़ने वाले नेताओं को गद्दार करार देते हुए कहा कि यह अच्छी बात है कि उन्होंने खुद ही उनकी पार्टी छोड़ दी, लेकिन इन दलबदलुओं ने भाजपा के पुराने नेताओं को नाराज कर दिया क्योंकि भगवा पार्टी ने अपने वफादारों के ऊपर दलबदलू नेताओं को तरजीह देते हुए उन्हें मैदान में उतारने का फैसला किया है। पूर्व मेदिनीपुर के एगरा में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए बनर्जी ने भाजपा पर दंगा, लूट और हत्या की राजनीति करने का आरोप लगाया, और सभी से अपने इलाकों में दिखाई देने वाले ऐसे बाहरी लोगों से सतर्क रहने का आग्रह किया। बंगाली गौरव को अपना प्रमुख चुनावी हथियार बनाने वाली टीएमसी ने भाजपा को बाहरी लोगों की पार्टी करार दिया है, क्योंकि उसके शीर्ष नेता राज्य के बाहर से आते हैं। मुकुल रॉय जैसे अन्य नेताओं के साथ भाजपा में शामिल होने वाले शुभेन्दु अधिकारी और राजीव बनर्जी के स्पष्ट संदर्भ में, टीएमसी सुप्रीमो ने कहा गद्दार, मीरजाफर अब भाजपा के उम्मीदवार बन गए हैं, जिससे भगवा पार्टी के पुराने नेता नाखुश हैं। बनर्जी ने कहा कि इन दलबदलुओं को अतीत में कई जिम्मेदारियां दी गई थीं। उन्होंने कहा, मैं हर परियोजना की निगरानी करूंगी ताकि इसका लाभ सभी तक पहुंचे। भगवा दल को सामने हरि हरि और पीछे से छुरा घोंपने के नारे वाली पार्टी बताते हुए, टीएमसी प्रमुख ने दावा किया, पान पराग चबाकर और माथे पर तिलक लगाकर भाजपा लोगों पर हमला करती है। नो वोट टू बीजेपी का नया नारा गढ़ने वाली बनर्जी ने लोगों से माकपा और कांग्रेस को भाजपा के दोस्त बताते हुए उन्हें भी वोट न देने की अपील की। माकपा, कांग्रेस और आईएसएफ ने पश्चिम बंगाल में एक नया गठबंधन बनाया है।

तीन दिनों के दौरे पर भारत पहुंचे अमेरिकी रक्षा मंत्री, रणनीतिक संबंधों को विस्तारित करने पर रहेगा जोर

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड जे ऑस्टिन तीन दिनों के दौरे पर शुक्रवार को भारत पहुंचे। उनके आने का उद्देश्य हिंद-प्रशांत सहित क्षेत्र में चीन की बढ़ती आक्रमकता के मद्देनजर द्विपक्षीय रक्षा एवं सुरक्षा संबंधों को और मजबूत करना है। ऑस्टिन की प्रथम विदेश यात्रा के दौरान तीन देशों के दौरे में भारत तीसरा पड़ाव स्थल है। उनकी इस यात्रा को (अमेरिकी राष्ट्रपति) जो बाइडन प्रशासन के अपने करीबी सहयोगियों और क्षेत्र में साझेदारों के साथ मजबूत प्रतिबद्धता के तौर पर देखा जा रहा है।

उनकी यात्रा की तैयारियों और एजेंडा की जानकारी रखने वाले लोगों ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच बातचीत में भारत-अमेरिका संबंध को और प्रगाढ़ करने के तरीकों, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने, पूर्वी लद्दाख में चीन के आक्रामक व्यवहार, आतंकवाद से पैदा हुई चुनौतियां और अफगान शांति वार्ता पर जोर रहने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि तीन अरब डॉलर से अधिक (अनुमानित) लागत से अमेरिका से करीब 30 'मल्टी-मिशन' सशस्त्र प्रीडेटर ड्रोन खरीदने की भारत की योजना पर भी चर्चा होने की उम्मीद है। ये ड्रोन सेना के तीनों अंगों (थल सेना, वायु सेनाऔर नौ सेना) के लिए खरीदने की योजना है।

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल से शुक्रवार शाम ऑस्टिन के मुलाकात करने की उम्मीद है। ऑस्टिन शनिवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ व्यापक वार्ता करेंगे। अमेरिकी रक्षा मंत्री के विदेश मंत्री एस जयशंकर से भी मिलने की संभावना है। क्वाड समूह के हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अपना सहयोग विस्तारित करने का संकल्प लेने के कुछ दिनों बाद अमेरिकी रक्षा मंत्री की भारत की यात्रा हो रही है। चार देशों के इस समूह में भारत, अमेरिका, जापान और आस्ट्रेलिया शामिल हैं। अमेरिकी रक्षा मंत्री ने भारत पहुंचने से पहलेजापान और दक्षिण कोरिया का दौरा किया।

शांति के लिए केवल लच्छेदार बातें नहीं, ठोस कार्रवाई भी करे पाक : अमरिंदर सिंह

चंडीगढ़। (एजेंसी)।

पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया जताते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने शुक्रवार को कहा कि बाजवा को केवल शब्दाडम्बर रचने के बजाय शांति के लिए ठोस कार्रवाई भी करनी चाहिए। बाजवा ने एक दिन पहले कहा था कि अब समय आ गया है कि भारत और पाकिस्तान को अपने ''बीते वक्त को भुलाकर आगे बढ़ना चाहिए।'' इससे कुछ ही दिन पहले दोनों देशों की सेनाओं द्वारा अचानकसंघर्ष विराम की घोषणा किए जाने के बाद प्रधानमंत्री इमरान खान ने भी कुछ इसी प्रकार के विचार व्यक्त किए थे। पहली बार आयोजित इस्लामाबाद सुरक्षा वार्ता को संबोधित करते हुए जनरल बाजवा ने कहा था कि शांति और विकास की संभावनाएं, हमेशा ही दोनों देशों भारत और पाकिस्तान के बीच लंबित मुद्दों की मोहताज रही हैं।

पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद को दोनों देशों के बीच संबंधों को सामान्य बनाने में ''सबसे बड़ी बाधा'' बताते हुए अमरिंदर सिंह ने कहा कि बाजवा को पहले आईएसआई को काबू करना चाहिए और उसके बाद भारत पाकिस्तान संबंधों की स्थिरता की बात करनी चाहिए। सिंह ने एक बयान में कहा कि जनरल बाजवा को ''शांति के बारे में लच्छेदार बातें करने के साथ ही ठोस कार्रवाई भी करनी चाहिए।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि जब तक पाकिस्तान ठोस कार्रवाई के जरिए अपनी गंभीरता साबित नहीं कर देता, भारत, पाकिस्तान के साथ नरमी से पेश नहीं आ सकता। उन्होंने कहा, '' सीमा पार से भारत में लगातार घुसपैठ हो रही है। हर रोज सीमा पर भारतीय सैनिक मारे जा रहे हैं। हर दूसरे दिन वे (पाकिस्तान) ड्रोन के जरिए पंजाब में हेरोइन और हथियार गिरा रहे हैं।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि दोनों देशों के बीच शांति के रास्ते में नयी दिल्ली नहीं बल्कि इस्लामाबाद रोड़े अटकाता आया है। उन्होंने कहा, ''अगर इस्लामाबाद, नयी दिल्ली के साथ शांति को लेकर वाकई गंभीर है तो उन्हें चीन को तेज और साफ संदेश देना चाहिए कि वास्तविक नियंत्रण रेखा पर खतरनाक खेल में वह उसके साथ नहीं है।

आईआईएमसी के शुक्रवार संवाद में बोले गजेंद्र सिंह शेखावत, जल आंदोलन को जन आंदोलन बनाने की जरूरत

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

'जल के महत्व को समझते हुए प्रत्येक व्यक्ति को जल संरक्षण का प्रयास करना चाहिए। अब वक्त आ गया है जब 'जल आंदोलन' को 'जन आंदोलन' में बदला जाए।' यह विचार केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने शुक्रवार को भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) द्वारा आयोजित कार्यक्रम 'शुक्रवार संवाद' में व्यक्त किए। इस अवसर पर आईआईएमसी के महानिदेशक प्रो. संजय द्विवेदी विशेष तौर पर उपस्थित थे। 'भारत की जल संस्कृति' विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हम सभी को मिलकर यह सोचना होगा कि भारत को जल समृद्ध कैसे बनाया जा सकता है। इसके लिए युवा शक्ति को हमें जल आंदोलन से जोड़ना होगा। हमें ऐसी योजना बनानी होगा कि सरकार के साथ समाज की भूमिका भी तय की जा सके। उन्होंने कहा कि सरकार के प्रयासों से देश के 7 करोड़ 5 लाख ग्रामीण घरों को पीने का साफ पानी मिलने लगा है। गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि भारत के अलावा दुनिया के किसी देश में नदी को 'मां' नहीं कहा जाता। हमारी संस्कृति में हर दिन कुछ नया सीखने की परंपरा है। अगर युवा देश की जल संस्कृति को समझना चाहते हैं, तो उन्हें बुंदेलखंड से लेकर कच्छ तक की यात्रा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जल समृद्धि से ही देश की समृद्धि संभव है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम में अगर किसी विषय पर सबसे ज्यादा चर्चा की है, तो वो जल संरक्षण का विषय है। पानी की गुणवत्ता के विषय पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार ने हर गांव में 5 महिलाओं को प्रशिक्षित किया है और उन्हें फील्ड टेस्टिंग किट प्रदान की है। अब तक 4 लाख 60 हजार महिलाओं को प्रशिक्षित किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि जल जीवन का आधार है, लेकिन उसकी गुणवत्ता की जांच कहां हो, उसके लिए कोई प्रयास नहीं किया गया। लेकिन हमारी सरकार ने हर जिले के हर ब्लॉक में पानी की जांच के लिए एक लेबोरेट्री स्थापित करने की शुरुआत की है। इस अवसर पर आईआईएमसी के महानिदेशक प्रो. संजय द्विवेदी ने कहा कि भारत की जल संस्कृति पूरे विश्व के लिए प्रेरणादायक है। हिन्दुस्तान की तमाम नदियां पर्यावरण की पोषक रही हैं। उन्होंने कहा कि पानी को लेकर सरकार, समाज और मीडिया तीनों को सक्रिय होने की जरूरत है। मीडिया एक ऐसा प्रभावी माध्यम है, जो जल संरक्षण के मुद्दे पर जनता को जगाने का काम कर सकता है। कार्यक्रम का संचालन प्रो. संगीता प्रणवेंद्र ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन संस्थान के अपर महानिदेशक (प्रशासन) के. सतीश नंबूदिरीपाड ने किया। कार्यक्रम में अपर महानिदेशक (प्रशिक्षण) ममता वर्मा, डीन (अकादमिक) प्रो. गोविंद सिंह, डीन (छात्र कल्याण) प्रो. प्रमोद कुमार सहित समस्त प्राध्यापकों, अधिकारियों एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया।

राकेश टिकैत का केंद्र पर हमला, बोले- ये लुटेरों की सरकार है, इनको जाना पड़ेगा

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

नए कृषि कानूनों और एमएसपी को लेकर किसान संगठनों और केंद्र सरकार के बीच जारी खींचतान अभी थमती नजर नहीं आ रही है। किसान नेता अब देशभर में घूम-घूम कर किसानों को नए कृषि कानूनों के खिलाफ एकजुट करने में जुटे हुए हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को भुवनेश्वर पहुंचे भारतीय किसान यूनियन के प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा कि सरकार को न्यूनतम समर्थन मूल्य (स्वक्क) पर कानून बनाना पड़ेगा और तीनों कृषि कानून वापस लेना पड़ेंगे।

टिकैत ने कहा कि केंद्र सरकार बहुत से नए बिल लेकर आ रही है, उन पर सरकार को बात करनी होगी। ये लुटेरों की सरकार है, ये देश में नहीं रहेगी, इनको जाना पड़ेगा। किसान नेता ने कहा कि एमएसपी किसानों का हक है, जिसे वो लेकर रहेंगे। अपना हक पाने के लिए देशभर के किसानों को एक साथ आना होगा और इसके लिए सरकार पर दबाव बनाना होगा।

टिकैत ने कहा कि जब तक कृषि कानूनों को वापस नहीं लिया जाता तब तक किसान किसान आंदोलन जारी रहेगा। न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के लिए कानून की मांग करते हुए उन्होंने कहा कि जब एमएसपी पर कानून बनेगा तभी किसानों का भला होगा।

बीते माह टिकैत ने हरियाणा के सोनीपत में हुई एक किसान महापंचायत में केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के एक बयान पर पलटवार करते हुए कहा था कि जब लोग जमा होते हैं तो सरकारें बदल जाती हैं। टिकैत ने उन्हें चेताया था कि अगर तीन नए कृषि कानूनों को रद्द नहीं किया गया तो सरकार का सत्ता में रहना मुश्किल हो जाएगा। केंद्रीय कृषि मंत्री तोमर ने मध्य प्रदेश के ग्वालियर में कहा था कि केंद्र सरकार नए कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे किसानों से बात करने को तैयार हैं, लेकिन महज भीड़ जमा हो जाने से कानून रद्द नहीं होंगे।

गौरतलब है कि केंद्र के तीन नए कृषि कानूनों को लेकर गतिरोध अब भी बरकरार है। कानूनों को रद्द कराने पर अड़े किसान इस मुद्दे पर सरकार के साथ आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर चुके हैं। किसानों के संगठन संयुक्त किसान मोर्चा ने 26 मार्च को भारत बंद का आह्वान किया है। 26 मार्च को केंद्र के नए कृषि कानूनों के खिलाफ दिल्ली की सीमाओं पर जारी किसान आंदोलन को चार महीने पूरे हो रहे हैं। किसानों ने सरकार से जल्द उनकी मांगें मानने की अपील की है। वहीं सरकार की तरफ से यह साफ कर दिया गया है कि कानून वापस नहीं होगा, लेकिन संशोधन संभव है।

केंद्र के नए कृषि कानूनों के खिलाफ तीन महीने से भी अधिक समय से दिल्ली की सीमाओं पर प्रदर्शन कर रहे किसानों के संगठन संयुक्त किसान मोर्चा ने 26 मार्च को भारत बंद का आह्वान किया है। 26 मार्च को केंद्र के नए कृषि कानूनों के खिलाफ किसान आंदोलन को चार महीने पूरे हो रहे हैं।

बता दें कि किसान हाल ही बनाए गए तीन नए कृषि कानूनों - द प्रोड्यूसर्स ट्रेड एंड कॉमर्स (प्रमोशन एंड फैसिलिटेशन) एक्ट, 2020, द फार्मर्स (एम्पावरमेंट एंड प्रोटेक्शन) एग्रीमेंट ऑन प्राइस एश्योरेंस एंड फार्म सर्विसेज एक्ट, 2020 और द एसेंशियल कमोडिटीज (एमेंडमेंट) एक्ट, 2020 का विरोध कर रहे हैं। केन्द्र सरकार इन तीनों नए कृषि कानूनों को कृषि क्षेत्र में बड़े सुधार के तौर पर पेश कर रही है, वहीं प्रदर्शन कर रहे किसानों ने आशंका जताई है कि नए कानूनों से एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) और मंडी व्यवस्था खत्म हो जाएगी और वे बड़े कॉरपोरेट पर निर्भर हो जाएंगे।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौया द्वारा अष्ट विनायक ऑफ़सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)